दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
खबरें सड़क से संसद तक
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018

वर्ष: 17 | अंक 194 | सीकर, रविवार 13 सितम्बर 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

बुहाना में बाड़ाबंदी शुरू

एसएसी आरक्षित चेयरमैन की कुर्सी पर निर्दलीय तय करेंगे खेल

बुहाना में नतीजे भले 14 सितंबर को आएंगे, लेकिन चेयरमैन की कुर्सी का खेल मतदान खत्म होते ही शुरू हो चुका है

अशोक राईका

बुहाना (नवयत्न)। नगर पालिका चुनाव में मतदान खत्म होने के अगले ही दिन बुहाना की राजनीति गरमा गई है। 14 सितंबर को मतगणना होनी है, लेकिन उससे पहले ही भाजपा और कांग्रेस ने अपने-अपने पार्षदों को साधने की कवायद शुरू कर दी है। दोनों दलों ने बाड़ाबंदी शुरू कर दी है। ऐसे में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि 20 वार्डों वाली बुहाना नगर पालिका का पहला चेयरमैन किस खेमे से होगा? सूत्रों के अनुसार कांग्रेस के उम्मीदवारों को गाडियों में बैठाकर एक साथ पिलानी विधायक श्रवण कुमार के पास ले जाया गया है। कांग्रेस खेमे ने अपने पार्षदों को एकजुट रखने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। दूसरी ओर भाजपा ने भी 18 उम्मीदवारों की बाड़ाबंदी की है। चुनाव परिणाम आने से पहले ही दोनों दल अपने-अपने पार्षदों को सुरक्षित रखने में जुट गए हैं।

भाजपा-कांग्रेस के 8-8 सीटों के दावे

बुहाना नगर पालिका में कुल 20 वार्ड हैं। राजनीतिक आंकड़ों और स्थानीय चर्चाओं के मुताबिक भाजपा और कांग्रेस दोनों के खाते में 8-8 सीटें आने का दावा किया जा रहा है। ऐसे में बाकी सीटों पर निर्दलीयों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाएगी। यही वजह है कि चुनाव परिणाम से पहले ही निर्दलीय पार्षदों पर सबकी नजर है। यदि भाजपा और कांग्रेस के आंकड़े 8-8 पर टिकते हैं तो चेयरमैन की कुर्सी तक पहुंचने के लिए दोनों दलों को निर्दलीयों का समर्थन हासिल करना होगा।

चेयरमैन पद एससी के लिए आरक्षित

बुहाना नगर पालिका के अध्यक्ष का पद अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है। इसलिए केवल बहुमत का आंकड़ा ही काफी नहीं होगा, बल्कि यह भी अहम होगा कि जीतकर आने वाले एससी वर्ग के पार्षद किस खेमे में हैं और किसके पास अध्यक्ष पद के लिए जरूरी समर्थन जुटता है। मतगणना के बाद तस्वीर साफ होगी, लेकिन उससे पहले शुरू हुई बाड़ाबंदी ने मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। भाजपा और कांग्रेस दोनों अपने-अपने पार्षदों को एकजुट रखने में जुटे हैं, जबकि निर्दलीयों की भूमिका पर भी नजरें टिकी हैं।

नतीजे 14 को, लेकिन खेल से शुरू

बुहाना में अब मुकाबला सिर्फ वार्ड जीतने तक सीमित नहीं है। असली लड़ाई नगर पालिका अध्यक्ष की कुर्सी के लिए है। 14 सितंबर को ईवीएम खुलेंगी और सीटों की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी। इसके बाद समर्थन जुटाने और अध्यक्ष पद के लिए समीकरण बनाने का दौर और तेज होने की संभावना है। फिलहाल भाजपा और कांग्रेस दोनों अपने-अपने आंकड़ों को मजबूत मान रहे हैं। लेकिन 8-8 के दावों के बीच निर्दलीय किसके साथ जाएंगे और एससी आरक्षित अध्यक्ष की कुर्सी पर किसका चेहरा बैठेगा—इसका जवाब 14 सितंबर के नतीजों के बाद ही मिलेगा।

बाड़े से बाहर निकले भावी पार्षद, 'खोखे' के चक्कर में पार्टी से धोखा!

भाजपा में दामाद को लेकर तकरार, कांग्रेस को निर्दलीयों की बैसाखी का सहारा

कासं

झुंझुनूं (नवयत्न)। नगर परिषद झुंझुनूं के 60 वार्डों में 9 सितंबर को मतदान संपन्न होने के बाद अब चुनावी मुकाबला खत्म होने के बावजूद सियासी घमासान तेज हो गया है। सभापति की कुर्सी तक पहुंचने के लिए भाजपा और कांग्रेस दोनों ने संभावित विजयी पार्षदों की बाड़ाबंदी शुरू कर दी, लेकिन महज एक दिन बाद ही दोनों खेमों में हलचल दिखाई देने लगी। कुछ भावी पार्षद बाड़ाबंदी से बाहर निकलकर अपने घर लौट आए हैं। इसके पीछे निजी कारण बताए जा रहे हैं, लेकिन सियासी गलियारों में इसके अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं।

नगर परिषद के 60 वार्डों में सभापति बनाने के लिए 31 पार्षदों का जादुई आंकड़ा जरूरी है। चुनाव परिणाम आने से पहले दोनों प्रमुख दल इस आंकड़े से दूर दिखाई दे रहे हैं। राजनीतिक जानकारों की मानें तो भाजपा के लिए 31 का आंकड़ा हासिल करना कांग्रेस की तुलना में ज्यादा चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है, जबकि कांग्रेस इसके अपेक्षाकृत करीब बताई जा रही है। ऐसे में निर्दलीय पार्षद दोनों दलों के लिए सत्ता की चाबी साबित हो सकते हैं।

भाजपा की बाड़ाबंदी में विधायक भाम्बू की कमान

गुरुवार को भाजपा की ओर से संभावित विजयी पार्षदों को बसों और निजी वाहनों के जरिए अज्ञात स्थान पर ले जाने की चर्चा रही। माना जा रहा है कि स्थानीय विधायक राजेंद्र सिंह भाम्बू के नेतृत्व में पार्टी अपने संभावित पार्षदों को एकजुट रखने की रणनीति पर काम कर रही है।

हालांकि शनिवार को भाजपा की बाड़ाबंदी से कुछ भावी पार्षद वापस अपने घर पहुंच गए। इन पार्षदों से जब घर लौटने का कारण जानने का प्रयास किया गया तो किसी ने निजी आवश्यकता, किसी ने उम्र अथवा स्वास्थ्य संबंधी वजह बताई, जबकि कुछ ने दैनिक कार्यों का हवाला दिया। राजनीतिक कारणों पर खुलकर बोलने से अधिकांश ने दूरी बनाए रखी।

'दामाद' के मुद्दे पर खेमे में तकरार की चर्चा

भाजपा खेमे से जुड़े सूत्रों के अनुसार बाड़ाबंदी के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा वार्ड 49 से भाजपा प्रत्याशी और विधायक राजेंद्र सिंह भाम्बू के दामाद मनु धनकड़ को लेकर रही। पार्टी के भीतर दामाद को लेकर पहले से चल रही राजनीतिक चर्चा के बीच अब सभापति चुनाव के संभावित समीकरणों को लेकर भी तकरार की बात सामने आ रही है। सूत्रों का दावा है कि भाजपा खेमे के एक भावी पार्षद ने किसी निर्दलीय के पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास किया, जिससे असहज स्थिति बनी और इसके बाद बाड़ाबंदी से बाहर आने की स्थिति बनी। हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

कांग्रेस को निर्दलीयों की बैसाखी का सहारा

दूसरी ओर कांग्रेस ने भी शुक्रवार को अपने संभावित विजयी पार्षदों के साथ-साथ उन निर्दलीय प्रत्याशियों पर भी नजर रखी, जिनके जीतने की संभावना मानी जा रही है। कांग्रेस खेमे से जुड़े संभावित पार्षदों और निर्दलीयों को भी अज्ञात स्थान पर ले जाने की चर्चा रही।

लेकिन शनिवार को कांग्रेस खेमे से जुड़े कुछ भावी पार्षद और निर्दलीय भी वापस झुंझुनूं पहुंच गए। सूत्रों के मुताबिक सभापति चुनाव में अपनी पसंद के उम्मीदवार को समर्थन देने की बात को लेकर कुछ पार्षदों ने अपनी स्थिति स्पष्ट रखने की कोशिश की है।

सबसे बड़ा सवाल—वोट किसका, सौदा किसका?

बाड़ाबंदी और संभावित खरीद-फरोख्त की चर्चाओं के बीच अब सबसे बड़ा सवाल आम मतदाता के बीच उठ रहा है। कई वार्डों के लोगों का कहना है कि उन्होंने पार्षद को सड़क, नाली, सफाई, रोशनी और अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए वोट दिया है। यदि चुनाव जीतने के बाद वही पार्षद किसी राजनीतिक सौदे के आधार पर सभापति के पक्ष में मतदान करता है तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर मतदाता के वोट की कीमत क्या रह गई?

राजनीतिक गलियारों में पार्षदों की संभावित खरीद-फरोख्त को लेकर 'खोखे' यानी (एक करोड़) बड़ी रकम की चर्चाएं भी चल रही हैं। हालांकि किसी पार्षद के बिकने या किसी को रकम दिए जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में यह चर्चा फिलहाल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और अटकलों तक ही सीमित है।

14 सितंबर को खुलेगा जीत और हार का राज

कौन प्रत्याशी अपने वार्ड से जीत दर्ज करता है, कितने मतों से जीतता है और किस पार्टी को कितनी सीटें मिलती हैं, इन सभी सवालों का जवाब 14 सितंबर को मतगणना के बाद मिलेगा। माना जा रहा है कि सुबह करीब 11 बजे तक नगर परिषद के अधिकांश वार्डों की तस्वीर काफी हद तक साफ हो जाएगी और इसके साथ ही सभापति पद के लिए वास्तविक सियासी गणित भी सामने आने लगेगा।

13 सितंबर की रात फिर हो सकती है बाड़ाबंदी

राजनीतिक सूत्रों की मानें तो 14 सितंबर को परिणाम आने से पहले दोनों प्रमुख दल 13 सितंबर की रात एक बार फिर अपने-अपने संभावित पार्षदों की बाड़ाबंदी कर सकते हैं। इसके लिए दोनों दलों के रणनीतिकार अपने-अपने स्तर पर समीकरण साधने में जुटे हुए हैं।

अब देखना यह है कि 31 के जादुई आंकड़े तक कौन पहुंचता है और किसे निर्दलीयों की बैसाखी का सहारा लेना पड़ता है। फिलहाल चुनाव परिणाम से ज्यादा चर्चा इस बात की है कि भावी पार्षद किस खेमे में रहते हैं, कौन किसके साथ जाता है और सभापति की कुर्सी तक पहुंचने के लिए किसकी रणनीति कामयाब होती है।

मतगणना कल, दोपहर 12 बजे तक साफ हो जाएगी तस्वीर

करीब 5 प्रतिशत कम मतदान से बदले समीकरण, भाजपा-माकपा के बीच कांटे की टक्कर

श्रीराम तिवाड़ी

नोखा (नवयत्न)। नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान संपन्न होने के बाद अब सभी की निगाहें सोमवार को होने वाली मतगणना पर टिक गई हैं। चुनाव परिणामों को लेकर कस्बे में राजनीतिक चर्चाओं और हार-जीत के कयासों का दौर तेज हो गया है। माना जा रहा है कि दोपहर 12 बजे तक अधिकांश वार्डों की स्थिति स्पष्ट होने लगेगी और नगर पालिका के नए बोर्ड की तस्वीर भी सामने आ जाएगी। इस बार पिछले चुनाव की तुलना में करीब 5 प्रतिशत कम मतदान हुआ है। मतदान प्रतिशत में आई कमी ने राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की चिंता बढ़ा दी है। कम मतदान का फायदा किसे मिलेगा और किसके पक्ष में समीकरण बने हैं, इसे लेकर दोनों प्रमुख राजनीतिक खेमों में अलग.अलग दावे किए जा रहे हैं। नोखा में इस बार मुख्य मुकाबला माकपा और भाजपा के बीच माना जा रहा है।

माकपा की ओर से पूर्व संसदीय सचिव कन्हैया लाल झंवर की प्रतिष्ठा दांव पर है, वहीं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारी लाल बिश्नोई के लिए भी यह चुनाव प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ है। दोनों ही नेता अपने-अपने समर्थकों के साथ नगर पालिका में बोर्ड बनाने का दावा कर रहे हैं। मतदान के बाद चाय की थड़ियों से लेकर बाजार और मोहल्लों तक चुनाव परिणाम को लेकर चर्चाएं चल रही हैं।

कल से सात दिवसीय गणेश महोत्सव

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। खाचरियावास में गणेश मित्र मंडल के तत्वावधान में सोमवार से 20 सितंबर तक सात दिवसीय गणेश महोत्सव का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया जाएगा। महोत्सव को लेकर गणगौरी चौक पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजकों ने बताया कि सोमवार को सुबह सवा 8 बजे गणगौरी चौक पर गणेश प्रतिमा का पूजन किया जाएगा। इसके बाद शोभायात्रा के रूप में गणेश प्रतिमा का कस्बे के प्रमुख मार्गों से नगर भ्रमण कराया जाएगा। नगर भ्रमण के बाद गणगौरी चौक पर प्रतिमा को विधिवत विराजमान किया जाएगा। गणगौरी चौक पर 14 से 20 सितंबर तक सात दिनों तक विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रतिदिन भगवान गणेश की पूजा-अर्चना, आरती सहित अन्य कार्यक्रम होंगे। महोत्सव को लेकर गणेश मित्र मंडल के कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं।

नवयत्न कोबरी पोस्ट

लूट के इरादे से वृद्धा के ब्लाइंड मर्डर का पुलिस ने किया खुलासा, बैंक का पियोन गिरफ्तार...

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। हाल ही में सात सितम्बर को बैंक ऑफ बड़ौदा के पास स्थित घर में वृद्धा पुखराज देवी चौरड़िया की हुई हत्या के ब्लाईंड मर्डर का पुलिस ने खुलासा करते हुए पीएनबी बैंक के पीओन को गिरफ्तार किया है। पीएनबी बैंक शाखा वृद्ध महिला के घर के परिसर में ही किराये पर संचालित है। रेंज आईजी बीकानेर ओमप्रकाश, जिला पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम के दिशा निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पवन कुमार, डीएसपी अनुज शुभम, कोतवाली सीआई मुकेश कुमार, सदर सुजानगढ़ सीआई मुकुट बिहारी की संयुक्त टीम ने इस ब्लाईंड मर्डर का खुलासा किया है। क्योंकि जिस गली में वारदात हुई थी, उसमें कोई भी सीसीटीवी नहीं मिला। और तो और सैंकड़ों लोग उस गली में लघुशंका के लिए जाते हैं और बंद गली होने के कारण लोग अपने दुपहिया वाहन पार्क करने के लिए भी जाते हैं, जिसके कारण हत्या की गुत्थी और ज्यादा उलझ गई। पुलिस ने गला काटकर हत्या कर ज्वैलरी लूट करने के आरोप में दीपक कुमार पुत्र राजकुमार वाल्मीकि उम्र 33 साल, निवासी इंदिरा कॉलोनी, चूरू को गिरफ्तार किया है। दूसरी ओर मामले को लेकर चूरू पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम ने कोतवाली थाने में प्रेस वार्ता को सम्बोधित किया और कहा कि वृद्ध महिला पुखराज उर्फ सुधा पत्नी रणजीतसिंह उम्र 78 निवासी निवासी गणपति निवास, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, सुजानगढ़ घर पर अकेली ही रहती थी, तथा जान पहचान वाले व्यक्ति के आने पर ही घर का दरवाजा खोलती थी। हत्या से पहले कई दिन तक सेवा चाकरी के बहाने पीएनबी बैंक के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी दीपक वाल्मीकि निवासी चूरू मृतक महिला से जान पहचान बनाई और उसका सेवादार होने का नाटक किया। दूसरी ओर घटना के दिन उसने किराये पर सम्पति लगवाने के बहाने किसी का मोबाईल नंबर पूछने के बहाने वृद्ध महिला से घर का दरवाजा खुलवाया और महिला के साथ ही पहली मंजिल पर चला गया। कई देर तक बात करने के बाद उसने वृद्ध महिला का चाकू से गला काटकर हत्या कर दी और पहने हुए जेवरात लूटकर ले गया। पुलिस ने बताया कि दीपक वाल्मीकि कर्जे से दबा हुआ व्यक्ति है इसलिए उसने हत्या का प्लान बनाया। एसपी ने बताया कि पुलिस ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय अधिकारियो की विशेष टीम का गठन किया। बाजार का व्यस्ततम समय होने के कारण काफी संख्या में भीड़-भाड़ होने के कारण दूसरी गलियों के सीसीटीवी की सहायता से संदिग्धों की पहचान करने का काम किया गया। आस पास की दुकानों पर भी जांच की गई। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से करीब 2000 व्यक्तियों की गतिविधियां का विश्लेषण किया गया। 15-20 संदिग्ध व्यक्तियों से गंभीरता से घटना के बारे में पूछताछ की गयी। पूर्व में इलाका थाना में गंभीर प्रवृति, सम्पति सम्बन्धित अपराधों में संलिप्त अपराधियों से पूछताछ की गयी। घटना स्थल के आस पास के मोबाईल टावर के बीटीएस डाटा लिये जाकर घटना के वक्त आये सदिग्ध मोबाईल नम्बरों के बारे में विश्लेषण किया गया। करीब 50 से अधिक मोबाईल नम्बरो की कॉल डिटेल प्राप्त की जाकर सीडीआर का विश्लेषण किया गया।

आस पास स्थित दुकानदारों, बैंक कर्मियों से पूछताछ की जाकर संकलन किया गया। आसपास के सुनारों से लूट का माल बेचने की सम्भावना की जानकारी हासिल की गई। सूचनाएं संकलित करने के बाद आरोपी दीपक वाल्मीकि को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी दीपक मकान में ही किराये पर चल रही पीएनबी बैंक में 2021 से सफाई कर्मचारी के तौर पर कार्य कर रहा है। आरोपी बैंक में कर्मचारी होने पर मृतका महिला से अच्छी जान पहचान थी। आरोपी द्वारा वृद्ध महिला की हत्या करने के बाद लूटे गये ज्वैलरी व वारदात में शामिल अन्य व्यक्तियों के बारे में पूछताछ अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

जेवरात बरामद करने की पुलिस कर रही कोशिश

एसपी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उससे अनुशंधान किया जा रहा है कि इस घटना में किसी और व्यक्ति की संलिप्तता है या नहीं। दूसरी ओर पुलिस आरोपी से लूटे गए जेवरात बरामद करने के प्रयास कर रही है। पुलिस हत्या में प्रयुक्त हथियार को भी बरामद करने का प्रयास कर रही है। मृतका के हाथों, गले और कानों में पहने हुए जेवर भी आरोपी ने लूट लिए थे।

रामदेवरा के लिए तीन पैदल यात्री संघ रवाना, 410 श्रद्धालु हुए शामिल

निसं

बीदासर (नवयत्न)। गणगौरी चौक वार्ड 3 स्थित बाबा रामदेव मंदिर से रूणीचा के लिए पैदल यात्री संघ रवाना हुआ। डूंगर बालाजी पंचदेव बसंत धाम के संत महावीरदास के सानिध्य में निकले संघ को अध्यक्ष राजूराम बलिहारा ने बाबा रामदेव की आरती कर रवाना किया। संरक्षक जेठाराम यादव ने बताया कि संघ की यह 33वीं पैदल यात्रा है। इस बार संघ में करीब 100 श्रद्धालु शामिल हैं। इस दौरान गंगाराम मेहला, महेंद्र कुमार माली, गोपाल गुर्जर, दीपाराम सारण सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे। इसी क्रम में दड़ीबा स्थित रामदेव मंदिर से आपणो रामा संघ भी रूणीचा के लिए रवाना हुआ। संघ अध्यक्ष मनोज सिंगटिया ने बताया कि जत्थे में करीब 200 यात्री शामिल हैं। वहीं आपणो प्रेम संघ का जत्था भी रामदेवरा के लिए रवाना हुआ। अध्यक्ष कन्हैयालाल दर्जी ने बताया कि जत्थे में 110 यात्री शामिल हैं। तीनों संघों के रवाना होने के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह नजर आया।

गणेश चतुर्थी महोत्सव का आगाज आज से

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। बाज्यावास स्थित श्री गढ़ गणेश मंदिर में 13 एवं 14 सितंबर को श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव का आयोजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ किया जाएगा। महोत्सव को लेकर श्री गढ़ गणेश मंदिर ट्रस्ट एवं क्षेत्रवासियों की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों एवं धर्मप्रेमियों से परिवार सहित महोत्सव में शामिल होकर पुण्य अर्जित करने का आह्वान किया है। श्री गढ़ गणेश मंदिर ट्रस्ट बाज्यावास के पदाधिकारियों ने बताया कि महोत्सव के तहत 13 सितंबर को प्रात: सवा 8 बजे से कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद शाम सवा 4 बजे रथ यात्रा तथा शाम सवा 6 बजे रामधुन का आयोजन होगा। वहीं 14 सितंबर को प्रात: 5 बजे दुग्धाभिषेक, प्रात: 8 बजे हवन तथा प्रात: 9 बजे छप्पन भोग एवं आरती का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में 14 सितंबर को सुबह सवा 9 बजे विशाल भंडारे का आयोजन होगा। इसके अलावा 11 व 12 सितंबर को श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञानयज्ञ एवं हरि संकीर्तन महोत्सव भी आयोजित किया गया जिसमें गीतावाचक श्रीराम प्रजापति एवं साथी प्रयागराज द्वारा प्रात: सवा 9 बजे से शाम सवा 7 बजे तक गीता वाचन किया गया। आयोजन में आसपास के अनेक गांवों सहित दांतारामगढ़ क्षेत्र के श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मंदिर ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि महोत्सव में क्षेत्रवासियों की सहभागिता को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

आईआईएस यूनिवर्सिटी में आभार का आयोजन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। आईआईएस डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, जयपुर में नए शैक्षणिक सत्र के स्वागत और विद्यार्थियों की प्रतिभा व नेतृत्व क्षमता को मंच देने के उद्देश्य से आभार 2026-थैंक यू गेट-टुगेदर का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। चांसलर अमित गुप्ता ने विद्यार्थियों को नेतृत्व और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व का अर्थ दूसरों से अलग साबित होना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी लेने की क्षमता विकसित करना है। समारोह में स्टूडेंट काउंसिल 2026-27 का शपथ ग्रहण हुआ। मिस फ्रेशर यूजी यशस्वी कडवासरा ने स्वागत भाषण दिया। विद्यार्थियों ने लोकनृत्य, वेस्टर्न व सेमी-क्लासिकल डांस, युगल नृत्य, ग्रुप सॉन्ग, स्किट और बॉलीवुड डांस की प्रस्तुतियां दीं। मिस फ्रेशर्स कॉन्टेस्ट के विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा रचनात्मकता के लिए बेस्ट क्रिएटिव जिंगल अवार्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन कल्मिनेशन डांस से हुआ। मिस फ्रेशर पीजी 2026 मुस्कान शर्मा ने अतिथियों, सहयोगियों और आयोजन से जुड़े सदस्यों का आभार जताया। समारोह में विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता, नेतृत्व और सामूहिक भावना का संगम देखने को मिला।

नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। लायंस क्लब श्रीमाधोपुर, सहाय हॉस्पिटल मोती डूंगरी जयपुर एवं आई रिसर्च सेंटर समिति द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति (अंधता) निवारण जयपुर के सौजन्य से शनिवार को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीमाधोपुर में आयोजित 63 वें नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर में 92 मरीजों की आंखों की जांच की गई व 5 मरीजों का चयन ऑपरेशन के लिए किया गया। शिविर में विशेष सहयोग दुर्गा प्रसाद गोयल उंझा गुजरात वालों का रहा। क्लब के सीताराम सैनी पूर्व वैज्ञानिक ने बताया कि ऑपरेशन के लिए चयनित सभी मरीजों को क्लब ने फल एवं बिस्किट के पैकेट भी दिए। शिविर में सागरमल हलवाई, सागरमल सैनी, श्रीराम कुमावत, राजेंद्र प्रसाद जांगिड़, अशोक कुमावत, सुभाष चेजारा और हरिशंकर तिवारी ने सेवाएं दी।

गणेश चतुर्थी की रंगत : बप्पा के स्वागत को सजने लगे बाजार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। गणेश चतुर्थी की आहट के साथ ही गुलाबी नगरी के बाजारों की रंगत बदलने लगी है। प्रमुख बाजारों और सड़कों के किनारे भगवान गणेश की आकर्षक प्रतिमाएं श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींच रही हैं। कहीं मूर्तिकार प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं तो कहीं लोग अपनी पसंद के बप्पा की प्रतिमा तलाशते नजर आ रहे हैं। गणेश चतुर्थी 14 सितंबर सोमवार को मनाई जाएगी। पर्व को लेकर घरों से लेकर गणेश उत्सव समितियों के पंडालों तक तैयारियां जोर पकड़ चुकी हैं। शहर में जगह-जगह भगवान गणेश की छोटी से लेकर बड़ी प्रतिमाएं सजाई गई हैं। मूर्तिकारों ने अलग-अलग आकार, स्वरूप और शृंगार में प्रतिमाएं तैयार की हैं। पारंपरिक पगड़ी और मुकुट से सजे बप्पा के साथ आकर्षक पोशाक और बहुरंगी शृंगार वाली प्रतिमाएं भी लोगों का ध्यान खींच रही हैं। सौम्य मुस्कान, आशीर्वाद मुद्रा और राजसी स्वरूप में तैयार गणेश प्रतिमाओं की विशेष मांग है। प्रतिमाओं पर की गई बारीक कलाकारी और आकर्षक रंगों का संयोजन इन्हें और मनमोहक बना रहा है। गणेश उत्सव का उत्साह घरों तक ही सीमित नहीं है। शहर की विभिन्न गणेश उत्सव समितियां भी पंडालों में बप्पा की स्थापना की तैयारियों में जुटी हैं। समितियों की ओर से बड़ी और आकर्षक प्रतिमाओं का चयन किया जा रहा है। वहीं घरों में गणेश स्थापना करने वाले श्रद्धालु अपनी सुविधा और स्थान के अनुसार छोटी व मध्यम आकार की प्रतिमाएं खरीद रहे हैं। कई श्रद्धालु परिवार की परंपरा और अपनी पसंद के अनुसार विशेष स्वरूप वाली गणेश प्रतिमा तलाश रहे हैं। गणेश चतुर्थी को लेकर उत्साह का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कई मूर्तिकारों के पास मनपसंद प्रतिमाओं की अग्रिम बुकिंग पहले ही हो चुकी है। श्रद्धालु अपनी पसंद के आकार, स्वरूप और शृंगार के अनुसार प्रतिमाएं तैयार करवा रहे हैं। गणेश उत्सव समितियों ने भी पंडालों के लिए बड़ी प्रतिमाओं की बुकिंग कराई है। पर्व नजदीक आने के साथ बाजारों में खरीदारी की रफ्तार और बढ़ने की उम्मीद है। इस बार गणेश प्रतिमाओं में पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी नजर आ रहा है। कारीगर कमलेश ने ऐसी गणेश प्रतिमा तैयार की है, जो पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल है। इसके निर्माण में पीओपी का इस्तेमाल नहीं किया गया है, बल्कि केवल मिट्टी का उपयोग किया गया है। प्रतिमा की खासियत यह है कि इसमें बीज भी डाले गए हैं। कारीगर कमलेश के अनुसार गणेश प्रतिमा के विसर्जन के बाद जब मिट्टी पानी और जमीन में मिल जाएगी, तो प्रतिमा में मौजूद बीज अंकुरित होकर पौधों का रूप लेंगे। यानी बप्पा की विदाई के बाद भी प्रकृति को नया जीवन देने का संदेश जारी रहेगा। प्रतिमा तैयार करते समय पर्यावरण का विशेष ध्यान रखा गया है। बीज वाली मिट्टी की प्रतिमा गणेश स्थापना और विसर्जन की परंपरा को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ती है। श्रद्धालु पर्व के बाद प्रतिमा का विसर्जन करते हैं, और मिट्टी के साथ उसमें मौजूद बीज भी प्रकृति का हिस्सा बन जाते हैं। इससे विसर्जन के बाद पौधों के रूप में हरियाली का संदेश देने की अवधारणा जुड़ी है। गणेश चतुर्थी के दौरान जहां बाजारों में आकर्षक और कलात्मक प्रतिमाओं की मांग बढ़ रही है, वहीं पर्यावरण अनुकूल प्रतिमाएं भी श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रही हैं। मिट्टी और बीज से तैयार यह प्रतिमा विसर्जन के बाद भी बप्पा की मौजूदगी का भाव दे रही है। ऐसे में बप्पा के स्वागत के साथ ही जयपुर में इस बार पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी बाजारों से घरों और पंडालों तक पहुंच रहा है। शहर में जगह-जगह गणपति बप्पा मोरया की गूंज के बीच श्रद्धालु अपने आराध्य के स्वागत की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

प्रयोगशाला जांचों से रोग निदान की नई दिशा पर मंथन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के रोग निदान एवं विकृति विज्ञान स्नातकोत्तर विभाग की ओर से डॉ. बी. लाल क्लिनिकल लेबोरेटरी के सहयोग से 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर प्रयोगशाला चिकित्सा में रोग निदान की नई दिशा: हीमोग्राम की चिकित्सकीय समीक्षा एवं आणविक जीव विज्ञान की मूल अवधारणाएं विषय पर एक दिवसीय सीएमई आयोजित की गई। इसमें करीब 250 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। सीएमई में शिक्षकों, स्नातकोत्तर व पीएचडी शोधार्थियों, प्रयोगशाला कर्मियों तथा स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. बी. लाल क्लिनिकल लेबोरेटरी के प्रयोगशाला निदेशक एवं प्रयोगशाला चिकित्सा उत्कृष्टता केंद्र के प्रमुख डॉण् करण मौर्य ने सीबीसी की चिकित्सकीय व्याख्या पर जानकारी देते हुए कहा कि रक्त जांच में किसी एक मान के बढ़ने या घटने के आधार पर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। मरीज के लक्षण, स्वास्थ्य स्थिति और अन्य जांचों को ध्यान में रखकर रिपोर्ट की समग्र व्याख्या जरूरी है। आणविक जीनोमिक्स उत्कृष्टता केंद्र के निदेशक एवं प्रमुख डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने आणविक जीनोमिक्स, नवाचार एवं रोग निदान की संभावनाओं पर आधुनिक आणविक निदान तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन तकनीकों से रोगों की पहचान, शोध और उपचार संबंधी बेहतर निर्णयों की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार शर्मा, देवेंद्र लड्ढा सहित विशेषज्ञों ने कहा कि आधुनिक प्रयोगशाला चिकित्सा रोगों की सही और समय पर पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आणविक निदान के क्षेत्र में हो रहे विकास से रोग पहचान और वैज्ञानिक शोध के लिए नई संभावनाएं सामने आ रही हैं। सीएमई से स्नातकोत्तर व पीएचडी शोधार्थियों को आधुनिक प्रयोगशाला जांच और शोध की नई अवधारणाओं की जानकारी मिलीए वहीं शिक्षकों को शिक्षण व शोध में आधुनिक जांच पद्धतियों को शामिल करने का अवसर मिला।

विकसित भारत यूथ लीडर्स डायलॉग 2027 को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्रीराम तिवाड़ी

नोखा (नवयत्न)। मांगीलाल बागड़ी राजकीय महाविद्यालय, नोखा में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विकसित भारत यूथ लीडर्स डायलॉग 2027 के अंतर्गत विकसित भारत चैलेंज ट्रैक को लेकर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में एनएसएस प्रभारी जेठाराम पारीक तथा प्रेमाराम एवं माई भारत पोर्टल प्रभारी मनश्वेता राठौड़ के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को प्रतियोगिता और उसके विभिन्न चरणों की जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान विकसित भारत 2047 में युवाओं की भूमिका विषय पर विद्यार्थियों के साथ चर्चा की गई। विद्यार्थियों ने आत्मनिर्भर भारत, शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों को विकसित भारत क्विज एवं इजी कम्पटीशन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया तथा प्रतियोगिताओं की तैयारी के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही एनएसएस स्वयंसेवकों एवं अन्य इच्छुक विद्यार्थियों का माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण करवाकर पोर्टल पर उपलब्ध युवा गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की सक्रिय एवं जिम्मेदार भूमिका निभाने का संकल्प दिलाया गया।

सच्चे धर्मोपदेशक होते हैं युग प्रवर्तक, दंडी स्वामी ब्रह्मानन्द सरस्वती

श्रीराम तिवाड़ी

नोखा (नवयत्न)। पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निरंजन देव तीर्थ महाराज की 30वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित आराधना महोत्सव में संत-महात्माओं एवं विद्वानों ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पुष्पांजलि अर्पित कर आरती में भाग लिया। समर्थश्री दंडी स्वामी ब्रह्मानन्द सरस्वती महाराज ने कहा कि सच्चे धर्मोपदेशक युग प्रवर्तक होते हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु धन्य हैं, जो महापुरुषों की गाथा सुनने और सुनाने का अवसर प्राप्त कर रहे हैं। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निरंजन देव तीर्थ जैसे धर्मोपदेशक युगों को बदलने की क्षमता रखते हैं, और ऐसे महापुरुष युग प्रवर्तक कहलाते हैं। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वत श्रृंखला की तलहटी में अनेक वीरों और महापुरुषों ने जन्म लिया है, जिनकी गाथाएं युगों तक याद की जाती रहेंगी। हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप का पराक्रम आज भी इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में अंकित है। उन्होंने कहा कि चाहे धर्मयुद्ध का क्षेत्र हो अथवा धर्मसभा का पांडाल, उसका इतिहास सदैव स्वर्णिम होता है। अखिल भारतवर्षीय धर्म संघ के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य डॉ. सप्तर्षि मिश्र ने राजस्थान की धरती को संत-महापुरुषों की भूमि बताते हुए कहा कि राजस्थान की रज चंदन के समान पवित्र है। इसी पवित्र भूमि पर सद्गुरुदेव स्वामी निरंजन देव तीर्थ महाराज जैसे संत महापुरुषों का अवतरण हुआ। डॉ. मिश्र ने वर्ष 1978 में बीकानेर के पुष्करणा स्टेडियम में आयोजित सहस्र चंडी महायज्ञ का आंखों देखा संस्मरण सुनाया। उन्होंने बताया कि इस महायज्ञ में धर्मसम्राट स्वामी करपात्री महाराज एवं स्वामी शिवानन्द सरस्वती महाराज भी उपस्थित रहे थे। उन्होंने बताया कि जब कुछ लोगों ने यज्ञ में अन्न और घी की आहुति देने पर सवाल उठाया तो सद्गुरुदेव ने कहा था कि यज्ञ करने से वर्षा होती है, यह भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवद्गीता में कहा है, और वे कहते हैं कि यज्ञ करने से केशर की वर्षा होती है। डॉ. मिश्र ने कहा कि उस महायज्ञ के दौरान बीकानेर में वर्षा हुई और उस वर्षा में केशर की वर्षा होने का भी सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि उस महायज्ञ में आहुति देकर वे स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं। चूरू निवासी बेला दाधीच ने गुरुदेव के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए स्वरचित कविता प्रस्तुत कीए जिससे श्रद्धालु भावविभोर हो गए। दिल्ली से आए विद्वान आचार्य ने कहा कि जहां विद्वान संत-महापुरुषों का सानिध्य प्राप्त होता है, वह स्थान स्वयं तीर्थ बन जाता है। ब्रह्मचारी हरिहर चैतन्य ने कहा कि भारत भूमि अवतार, यज्ञ और तप की भूमि है। अन्य किसी भी देश का ऐसा गौरवशाली इतिहास नहीं है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि पूज्य शंकराचार्य जी महाराज ने जो मार्ग दिखाया है, उसी मार्ग पर चलकर धर्म एवं संस्कृति की रक्षा करनी चाहिए। पुष्पांजलि सभा में आचार्य हेमेंद्र, आचार्य उदित, आचार्य अमर, आचार्य मृदुल, आचार्य आदर्श एवं आचार्य पंकज ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में हजारों माता-बहनों एवं श्रद्धालु भक्तों ने भाग लेकर पूज्य सद्गुरुदेव को पुष्पांजलि अर्पित की तथा आरती में शामिल हुए। बताते चलें कि पूज्य सद्गुरुदेव की पावन स्मृति में श्रद्धालुजनों की ओर से शंकराचार्य स्मृति वंदन सप्ताह का आयोजन राजस्थान की राजधानी जयपुर, चूरू सहित विभिन्न महानगरों में किया जा रहा है। नोखा में 29 जुलाई से 20 अक्टूबर 2026 तक आयोजित हो रहे भव्य चातुर्मास महोत्सव के संबंध में यह जानकारी समिति के मीडिया प्रभारी इन्द्र चन्द मोदी द्वारा जारी प्रेसनोट में दी गई।

जयपुर की ऐतिहासिक धरोहरों के बीच पहुंचा आर्केसिया फोरम

हैरिटेज वॉक में दिखी वास्तुकला की समृद्ध विरासत

निसं

जयपुर (नवयत्न)। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स आईआईए द्वारा आयोजित और आर्किटेक्ट तुषार सोगानी द्वारा कन्वेंड 23वें आर्केसिया फोरम का रविवार को जयपुर में समापन हुआ। फोरम में एशिया भर से 2,000 से अधिक आर्किटेक्चरल प्रोफेशनल्स, एजुकेटर्स, स्टूडेंट्स और डिजाइन प्रैक्टिशनर्स ने भाग लिया। फोरम के संयोजक तुषार सोगानी ने बताया कि 23वें आर्केसिया फोरम के तहत आयोजित हैरिटेज वॉक में देश-विदेश से आए आर्किटेक्ट्स ने जयपुर की समृद्ध स्थापत्य विरासत को करीब से जाना। प्रतिभागियों ने ऐतिहासिक इमारतों, हवेलियों और पारंपरिक वास्तुकला की खूबसूरती को देखा। इस दौरान उन्होंने शहर के इतिहासए संस्कृति और विरासत संरक्षण की जरूरतों को भी समझा और अनुभव साझा किए। इवेंट में 1 हजार 500 से अधिक इंडियन डेलीगेट्स और लगभग 600-700 इंटरनेशनल डेलीगेट्स ने शिरकत किया।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम ने बिल्ट एनवायरनमेंट के भविष्य को लेकर क्रॉस-बॉर्डर डायलॉग, नॉलेज एक्सचेंज और कोलैबोरेशन के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफार्म तैयार किया। की.नोट एड्रेसेस, टेक्निकल सेशंस, एक्जीबिशंस, स्टूडेंट इंस्टॉलेशंस, अवॉर्ड्स और कॉम्पीटिशंस के माध्यम से फोरम ने आर्किटेक्चर के तेजी से बदलते लैंडस्केप पर चर्चा की। जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई टेक्नोलॉजीज आर्किटेक्चरल प्रैक्टिस को बदल रही हैंए वहीं क्लाईमेट चेंज, कल्चरल आइडेंटिटी और सोशल नीड्स आर्किटेक्चर में कंटेक्स्ट और ह्यूमैनिटी पर नए सिरे से फोकस की मांग कर रहे हैं। कीनोट सेशन मोर देन वर्नेक्युलर-आर्किटेक्चरल ह्यूमैनिटी इन द ऐज ऑफ एआई में आर्किटेक्चरल डिजाइन पर आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव और इस सवाल पर चर्चा हुई कि प्रोफेशन ऑटोमेशन को अपनाते हुए अपनी ह्यूमन डायमेंशन को किस तरह बनाए रख सकता है।

सिडनी से शांघाई तक के इंटरनेशनल वर्क के उदाहरणों के माध्यम से सेशन में एआई-ड्रिवेन डिजाइन, रोबॉटिक फेब्रिकेशन और ह्यूमन-मशीन कोलैबोरेशन को ऐसे टूल्स के रूप में देखा गया, जो आर्किटेक्चर में ह्यूमन वॉइस को रिप्लेस करने के बजाय उसे एक्सटेंड कर सकते हैं। डिस्कशन में ऐसे भविष्य की कल्पना की गई जहां टेक्नोलॉजी बॉर्डर्स के पार बीलोंगिंग के नए फॉर्म्स तैयार कर सके, साथ ही कल्चरल प्लरालिटी, ह्यूमन कनेक्शन और सेंस ऑफ प्लेस को भी बनाए रखे।

टेक्निकल सेशन हीट, विंड, शेड डिजाइनिंग बिल्डिंग्स दैट ब्रीथ में गर्मी, नमी, धूल, बारिश और सीजनल एक्सट्रीम्स के प्रति आर्किटेक्चर की रिस्पॉन्स पर चर्चा की गई।

ओरिएंटेशन, शेडिंग, कोर्टयार्ड्स, नेचुरल वेंटिलेशन और पैसिव कूलिंग जैसे ऐप्रोचेस को क्लाइमेट-रेस्पॉन्सिव डिजाइन के महत्वपूर्ण टूल्स के रूप में रेखांकित किया गया।

सेशन का एम्फासिस ऐसे बिल्डिंग्स पर रहा जो मशीनज पर निर्भर होने से पहले नैचुरली परफॉर्म करें, जिससे क्लाइमेट को आर्किटेक्चरल डिजाइन के एक फंडामेंटल ड्राइवर के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। फोरम में आर्किटेक्चरल एजुकेशन के भविष्य पर भी चर्चा हुई। टिचिंग द ग्राउंड मेकिंग डिजाइन एजुकेशन मोर रियल सेशन ने आर्किटेक्चरल एजुकेशन को मैटेरियल्स, लेबर, क्लाइमेट, कम्युनिटीज और कंस्ट्रक्शन की ग्राउंड रियलिटीज से अधिक क्लोजली कनेक्ट करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

नशामुक्त भारत के लिए सरकार और हरे कृष्ण मूवमेंट ने मिलाया हाथ

निसं

जयपुर (नवयत्न)। नशा मुक्त, सशक्त और स्वस्थ भारत के निर्माण के उद्देश्य से गुप्त वृंदावन धाम, हरे कृष्ण मूवमेंट जयपुर ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के साथ महत्वपूर्ण पहल की है। मंत्रालय और हरे कृष्ण मूवमेंट के बीच समझौता ज्ञापन एमओयू के माध्यम से नशा मुक्ति जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने पर सहमति बनी है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को नशे और मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इसके साथ ही विद्यार्थियों, ग्रामीण समुदायों, कर्मचारियों और समाज के विभिन्न वर्गों को स्वस्थए सकारात्मक एवं उद्देश्यपूर्ण जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। मंत्रालय और हरे कृष्ण मूवमेंट की इस सहभागिता को युवा सशक्तिकरण और चरित्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके माध्यम से युवाओं में जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता, आत्मविश्वास, भावनात्मक दृढ़ता और जीवन मूल्यों के प्रति समझ विकसित करने पर जोर रहेगा। साझा पहल का उद्देश्य नशामुक्त युवा, सशक्त समाज और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करना है।

दो पक्षों में मारपीट, पांच घायल, एक रैफर

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय राजकीय अयोध्या बाई करवा स्कूल के पास दो पक्षों के बीच मारपीट हुई, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। शुक्रवार शाम को हुई इस घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में इलियास पुत्र हीरू खां, अहमद पुत्र बल्लू खां कायमखानी, साबिर खां पुत्र इसहाक खां कायमखानी, सद्दाम पुत्र इसहाक खान, अफजल पुत्र अलीशेर का उपचार किया। घायलों में इलियास पुत्र हीरू खां को चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रैफर कर दिया। प्राथमिक तौर पर मामला पुरानी चुनावी रंजिश से जुड़ा बताया जा रहा है। कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खेतड़ी में भाजपा की बाड़ेबंदी : प्रत्याशियों को जयपुर ले जाया गया, फार्म हाउस में ठहराया

मतदान के बाद बढ़ी सियासी हलचल, 14 सितंबर के नतीजों पर टिकी नजरें

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। नगरपालिका चुनाव में मतदान के बाद अब बोर्ड बनाने को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा ने अपने प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी शुरू कर दी है। पार्टी के सभी प्रत्याशियों को खेतड़ी से जयपुर ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि उन्हें जयपुर के एक फार्म हाउस में ठहराया गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रत्याशियों को एकजुट रखने और मतगणना के बाद बोर्ड गठन की रणनीति को लेकर यह कदम उठाया गया है। 9 सितंबर को खेतड़ी नगरपालिका के

25 वार्डों में मतदान हो चुका है। अब सभी की नजरें 14 सितंबर को होने वाली मतगणना पर हैं।

14 सितंबर को खुलेगा पत्ता

मतगणना के बाद ही स्पष्ट होगा कि भाजपा और कांग्रेस सहित अन्य प्रत्याशियों में किसके खाते में कितनी सीटें आती हैं।

बहुमत के बाद अध्यक्ष पद पर नजर

चुनाव परिणाम आने के बाद बोर्ड बनाने के लिए राजनीतिक जोड़-तोड़ शुरू होने की संभावना है। भाजपा नेताओं की ओर से खेतड़ी में अपना बोर्ड बनाने का दावा किया जा रहा है। ऐसे में पार्टी ने परिणाम से पहले ही अपने प्रत्याशियों को एक साथ रखने की रणनीति अपनाई है। खेतड़ी नगरपालिका अध्यक्ष का पद महिला ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित है। ऐसे में 25 वार्डों के नतीजे अध्यक्ष पद की तस्वीर तय करने में अहम होंगे। बहुमत का आंकड़ा किसके पक्ष में जाता है और किसे पार्षदों का समर्थन मिलता है, इसी आधार पर अध्यक्ष पद की दावेदारी मजबूत होगी।

इसके बाद बोर्ड गठन को लेकर सियासी समीकरण तेजी से बदल सकते हैं। भाजपा की ओर से की गई प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी को बोर्ड गठन से पहले की रणनीतिक तैयारी माना जा रहा है। वहीं प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की नजर अब 14 सितंबर के चुनाव परिणाम पर टिकी है।

सोखती कुई बना दी, पाइपलाइन जोड़ना भूल गई नगर परिषद

15 दिन बाद भी गर्ल्स कॉलेज के बाहर सड़क पर बह रहा शौचालय का गंदा पानी, दुर्गंध से छात्राएं-दुकानदार परेशान

बाबूलाल वर्मा

झुंझुनूं (नवयत्न)। नगर परिषद की कार्यशैली पर 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस' की कहावत सटीक बैठ रही है। मंडावा मोड़ स्थित महर्षि दयानंद गर्ल्स कॉलेज के बाहर सार्वजनिक शौचालय से बह रहे गंदे पानी की समस्या को लेकर परिषद ने करीब 15 दिन पहले सोखती कुई तो बनवा दी, लेकिन शौचालय की पाइपलाइन को कुई से जोड़ना ही भूल गई। नतीजा यह है कि आज भी शौचालय का गंदा पानी सड़क पर खुले में बह रहा है। इससे कॉलेज आने-जाने वाली छात्राओं, आसपास के दुकानदारों और यात्रियों को दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, इस समस्या को लेकर दैनिक नवयत्न ने पहले खबर प्रकाशित की थी। इसके बाद नगर परिषद आयुक्त ने समस्या का जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया था। परिषद ने शौचालय के पास सोखती कुई का निर्माण तो करा दिया, लेकिन पानी को कुई तक पहुंचाने के लिए पाइपलाइन का कनेक्शन नहीं किया गया।

कुई के पास मिट्टी का ढेर, लकड़ियों से ढका गड्ढा

सोखती कुई महिला शौचालय के ठीक बाहर बनाई गई है। निर्माण के बाद आसपास मिट्टी का ढेर पड़ा है। कुई को सुरक्षा के नाम पर लकड़ियों से ढक दिया गया है। ऐसे में शौचालय आने-जाने वाली महिलाओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सवाल जब कनेक्शन नहीं करना था तो कुई क्यों बनाई?

करीब 15 दिन पहले निर्माण के बावजूद गंदा पानी आज भी सड़क पर बह रहा है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब शौचालय की पाइपलाइन को कुई से जोड़ना ही नहीं था तो सोखती कुई बनाने का क्या फायदा? अब जरूरत सिर्फ कुई बनाने की नहीं, बल्कि पाइपलाइन को उससे जोड़कर सड़क पर बह रहे गंदे पानी की समस्या खत्म करने की है। लोगों को इंतजार है कि नगर परिषद इस अधूरे काम को कब पूरा करती है।

'बस का इंतजार करना भी मुश्किल'

- कॉलेज छात्रा सरोज सैनी ने बताया कि रोज इसी बदबू भरे माहौल से गुजरना पड़ता है। कॉलेज की छुट्टी के बाद गांव जाने के लिए बस का इंतजार करना मुश्किल हो जाता है। दुर्गंध के कारण सिरदर्द तक होने लगता है।
- निजी स्कूल शिक्षिका सविता कुमारी ने बताया कि रोज बस स्टैंड से आना-जाना होता है। शौचालय से बहते गंदे पानी और दुर्गंध के कारण यहां खड़ा रहना मुश्किल है।
- स्थानीय दुकानदार विजय कुमार ने कहा कि कुई बनते समय उम्मीद जगी थी कि समस्या खत्म होगी, लेकिन काम अधूरा छोड़ दिया गया। वहीं दुकानदार सुभाष चंद्र ने कहा कि पाइपलाइन को कुई से जोड़ दिया जाए तो समस्या का तत्काल समाधान हो सकता है।
- दुकानदार सुभाष चंद्र ने कहा कि दिनभर दुकान पर बैठकर व्यापार करना मुश्किल हो गया है। नगर परिषद यदि शौचालय की पाइपलाइन को सोखती कुई से जोड़ दे तो समस्या का तत्काल समाधान हो सकता है।

कभी प्यासे राहगीरों का सहारा था 'बाबाजी का कुआं', अब खंडहर में तब्दील

निसं

बुगाला (नवयत्न)। कारी-जाखल मार्ग के बीच टीबे पर करीब 65 साल पहले बनाया गया कुआं आज जीर्ण-शीर्ण हालत में है। क्षेत्र के बुजुर्ग इसे आज भी 'बाबाजी का कुआं' नाम से याद करते हैं। कभी यह कुआं राहगीरों, पशुपालकों और पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने का प्रमुख केंद्र था। आज यहां सिर्फ पुरानी यादें और खंडहर बचे हैं। बताया जाता है कि करीब वर्ष 1960 में बड़ाऊ निवासी सवाईसिंह राजपूत सलेदी सिंहोत यहां पहुंचे थे। उन्होंने निर्जन टीले पर जांटी के पेड़ के नीचे पर्णकुटी बनाई और धूणा जलाकर साधना शुरू की। वे दिन-रात 'सीताराम' का जाप करते थे। इसी वजह से लोग उन्हें सीताराम बाबा के नाम से पुकारने लगे।

सेवा को बनाया जीवन का उद्देश्य: सीताराम बाबा का जीवन प्यासे राहगीरों, चरवाहों और पशु-पक्षियों की सेवा में बीतता था। श्रद्धालु उनके लिए पानी और खाद्य सामग्री लेकर आते थे। बाबा जरूरतमंदों को भोजन कराते और राहगीरों के लिए रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी करते थे। बाबा की सेवा भावना से प्रभावित होकर कारी और जाखल के ग्रामीणों ने मिलकर कुआं निर्माण समिति बनाई। ग्रामीणों से चंदा एकत्र किया गया और स्थानीय लोगों ने श्रमदान कर कुएं का निर्माण कराया। इसके बाद यह स्थान राहगीरों और पशुपालकों के लिए प्रमुख जल केंद्र बन गया। करीब तीन दशक तक इस कुएं से लोगों को जलसेवा मिलती रही।

आज उपेक्षा में है सेवा की यह निशानी: समय बीतने के साथ सीताराम बाबा अपने परिवार के पास लौट गए, जहां बाद में उनका निधन हो गया। आज उनकी पर्णकुटी के निशान भी मिटने लगे हैं और कुआं भी उपेक्षा का शिकार है। कभी प्यासे पथिकों की प्यास बुझाने वाला यह कुआं आज भी अतीत की उस सेवा भावना की कहानी कह रहा है। सीताराम बाबा का जीवन यह संदेश देता है कि सच्ची साधना केवल पूजा-पाठ में नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की सेवा में भी है।

बेटी के जन्मदिन पर बच्चों की सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, विजेताओं को दिए पुरस्कार

कृष्ण कुमार गांधी

सूरजगढ़ (नवयत्न)। बलौदा के आदर्श पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय में राजस्थान के मरु प्रदेश से जुड़े जिलों की सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया। प्रतियोगिता का आयोजन राजस्थान पुलिस में मलसीसर थाने में पदस्थापित आसलवास निवासी मुकेश फान्डन की ओर से 7 सितंबर को किया गया था। इसमें कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का विषय 'मरु प्रदेश राजस्थान के जिलों का सामान्य ज्ञान' रखा गया था। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को राजस्थान के

जिलों की जानकारी से परिचित कराने के साथ उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना था। शनिवार को प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया। अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को शाहिना के जन्मदिन के अवसर पर पुरस्कार एवं अन्य उपहार दिए गए। इस दौरान मुकेश फान्डन की ओर से विद्यालय के पूरे स्टाफ और परिवार के लिए मिठाई भी वितरित की गई। मुकेश फान्डन ने बेटी के जन्मदिन को यादगार बनाने के साथ शिक्षा के क्षेत्र में यह पहल की। विद्यालय प्रबंधन और स्टाफ ने शाहिना को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए मुकेश फान्डन को बधाई दी। इस अवसर पर शाहिना के पिता मुकेश फान्डन, माता मुस्कान, दादी सुलोचना, चाचा सुनील, बुआ कंचन, प्रधानाचार्य उमेद सिंह चौहान, संचालक रतन सिंह चौहान, व्यवस्थापक छोटू राम बरवड़ सहित विद्यालय स्टाफ के भूपेंद्र सिंह, रामवीर, राकेश, योगेश सिंह, देवेश, कर्मपाल, अनुकूल, विकेश, संतोष, प्रीति कंवर, नीलम और उषा मौजूद रहे।

धार्मिक प्रश्नोत्तरी में बच्चों ने दिखाया ज्ञान, खुशबू प्रथम

निसं

उदयपुरवाटी (नवयत्न)। गौरव पथ स्थित दीपक पब्लिक शिक्षण संस्थान माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को विद्यार्थियों को भारतीय धर्म, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के उद्देश्य से धार्मिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों से धर्म, संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी स्मरण शक्ति व ज्ञान का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में खुशबू सैनी ने प्रथम, गणेश सैनी ने द्वितीय तथा चांदनी सैनी और अश्विनी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजक डॉ. राजेन्द्र कुमावत ने विजेता विद्यार्थियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। डॉ. राजेन्द्र कुमावत ने कहा कि डिजिटल युग में बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ अपनी धर्म-संस्कृति और गौरवशाली अतीत की जानकारी देना भी जरूरी है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में जिज्ञासा, स्मरण शक्ति, तर्क क्षमता और संस्कारों का विकास होता है। कार्यक्रम का संचालन संजय कुमार ने किया। संस्था प्रधान हरलाल सिंह ने प्रतियोगिता की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए समय-समय पर ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए। कार्यक्रम में अतिथि शिवपाल सैनी, अभिभावक, विद्यालय स्टाफ और विद्यार्थी मौजूद रहे।

19 निकायों की मतगणना 14 सितंबर को, सुबह 8 बजे से शुरू होगी

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। जिले की 19 नगरीय निकायों के आम चुनाव की मतगणना 14 सितंबर को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। मतगणना की तैयारियों को लेकर शनिवार को सूचना केंद्र सभागार में मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण हुआ। प्रशिक्षण में 40 रिटर्निंग अधिकारी, 40 सहायक रिटर्निंग अधिकारी, 165 मतगणना पर्यवेक्षक और 165 मतगणना सहायकों को मतगणना प्रक्रिया की जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनरों ने मतगणना प्रक्रिया, मतगणना सहायकों की नियुक्ति और डीएमएम सीलिंग प्रक्रिया के बारे में प्रशिक्षण दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अरुण गर्ग ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पूरी तरह पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना में पारदर्शिता, निष्पक्षता और सावधानी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी चरणों में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मतगणना शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से कराई जाए।

कहां होगी किस निकाय की मतगणना?

झुंझुनूं नगर परिषद व बगड़ की सेठ मोतीलाल पीजी कॉलेज, शिक्षा संकुल केंद्र, चिड़ावा, सुलताना व मंड्रेला की मास्टर हजारी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय चिड़ावा में मतगणना होगी, पिलानी व विद्याविहार की एमके साबू कॉलेज पिलानी में होगी, नवलगढ़ व जाखल की मतगणना सेठ जीबी पोद्दार कॉलेज नवलगढ में होगी। बुहाना व सिंघाना की श्री खेमका इंटरनेशनल स्कूल बुहाना में होगी। मुकुंदगढ़ व डूंडलोद की कनोडिया कॉलेज मुकुंदगढ़ में मतगणना होगी। मंडावा व बिसाऊ की मंडावा कॉलेज में होगी। सूरजगढ़ की आरकेजे बरासिया कॉलेज, खेतड़ी की राजकीय जयसिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय, उदयपुरवाटी की राजकीय महाविद्यालय, मलसीसर की राजकीय महाविद्यालय में मतगणना होगी।

गणेश चतुर्थी पर 12 दिन गूंजेगी गणपति भक्ति, कल होगी प्रतिमा स्थापना

निसं

बुगाला (नवयत्न)। गणेश चतुर्थी के अवसर पर मुख्य बाजार में 12 दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत 14 सितंबर सोमवार को सुबह सवा 11 बजे गणेश प्रतिमा स्थापना एवं पूजा-अर्चना के साथ होगी। आयोजक सत्यदेव मीणा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन सुबह सवा नौ बजे बजे और शाम सवा सात बजे बजे आरती होगी। 24 सितंबर को छप्पन भोग और महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इसके अगले दिन 25 सितंबर को कन्या भोज होगा। शाम सवा चार बजे गणेश प्रतिमा की शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो विसर्जन के लिए रवाना होगी। आयोजकों ने ग्रामीणों से धार्मिक कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर गणेश भगवान की पूजा-अर्चना और आरती में भाग लेने का आह्वान किया है। आयोजन समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से किया जा रहा है।

जेल में मोबाइल मिलने के आरोप के बाद पूर्व विधायक भूख हड़ताल पर

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर सेंट्रल जेल में बंद पूर्व विधायक बलजीत यादव शनिवार को भूख हड़ताल पर बैठ गए। जेल में मोबाइल रखने के आरोप में उनके खिलाफ9 सितंबर को लालकोठी थाने में मामला दर्ज किया गया था। यादव ने आरोप लगाया है कि सरकार के दबाव में उनके खिलाफद्वेषतापूर्वक झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। तसींग कोटपूतली-बहरोड़ के निवर्तमान सरपंच प्रतिनिधि संदीप यादव ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार को जेल में करीब 20 मिनट तक बलजीत यादव से मुलाकात की। उनके अनुसार यादव ने मोबाइल रखने के आरोप से इनकार किया और बताया कि जिस बैरक में वे रहते है, वहां पुलिस ने तलाशी नहीं ली थी। यादव ने पुलिस महानिदेशक डीजीपी और जेल महानिदेशक को पत्र भेजकर जेल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांचने की मांग की है। उनका कहना है कि फुटेज से मोबाइल बरामदगी के दावे की सच्चाई स्पष्ट हो जाएगी। 9 सितंबर को जयपुर सेंट्रल जेल में कैदियों और बैरकों की तलाशी का अभियान चलाया गया था। जेल प्रशासन के अनुसार, तलाशी के दौरान बलजीत यादव के पास से मोबाइल बरामद हुआ, जिसे जब्त कर लिया गया। इसके बाद लालकोठी थाने में मामला दर्ज कराया गया। जेल में गुरुवार को हुए तलाशी अभियान में भी आठ बंदियों के पास से मोबाइल मिलने की बात सामने आई थी। आरोप है, कि यादव ने मोबाइल कंबल में छिपा रखा था। पूर्व विधायक बलजीत यादव 3 फरवरी 2026 से विधायक निधि के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामले में जेल में बंद हैं। मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय ईडी कर रहा है। मोबाइल बरामदगी के मामले में यादव ने लगाए गए आरोपों से इनकार करते हुए निष्पक्ष जांच और सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग की।

अंग्रेजी डिबेट में बच्चों ने बेबाकी से रखे विचार, जूनियर में अरावली तो सीनियर में विंध्या सदन प्रथम

सुरेंद्र शर्मा

झुंझुनूं (नवयत्न)। गौरव पथ स्थित एसएस मोदी विद्या विहार में अंतर्सदनीय अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता दो वर्गों में हुई। जूनियर वर्ग में कक्षा 6 से 8 और सीनियर वर्ग में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जूनियर वर्ग में 'डज एडवर्टाइजिंग अफेक्ट चिल्ड्रन अनफेयरली' और सीनियर वर्ग में 'शुड लॉ चेंज विद सोशल वैल्यूज' विषय पर विद्यार्थियों ने पक्ष और विपक्ष में अपने विचार रखे। बच्चों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने तर्क प्रस्तुत किए। अकादमिक निदेशक रॉय सी. पॉल और प्राचार्य विजय मसीह ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। प्राचार्य ने प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी देने के साथ निर्णायक मंडल का परिचय कराया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को हर प्रतियोगिता में पूरी तैयारी के साथ भाग लेना चाहिए। प्रतियोगिता में छत्रपाल सिंह, सैनिक स्कूल झुंझुनूं, अमर सिंह, जीबी मोदी विद्यालय झुंझुनूं और एनी मसीह ने निर्णायक की भूमिका निभाई। निर्णायक छत्रपाल सिंह ने कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने का अवसर देते हैं।

सभी बच्चों ने अच्छे तरीके से अपनी बात रखी, इसलिए निर्णय करना मुश्किल रहा। उन्होंने विद्यार्थियों से हर गतिविधि में भाग लेने और अच्छा श्रोता बनने के साथ लगातार मेहनत करने की बात कही। जूनियर वर्ग में अरावली सदन प्रथम, विंध्या सदन द्वितीय और हिमालय सदन तृतीय रहा। वहीं सीनियर वर्ग में विंध्या सदन प्रथम, हिमालय सदन द्वितीय और अरावली सदन तृतीय स्थान पर रहा। प्राचार्य विजय मसीह ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। मंच संचालन भवि सुगंध और सुमायरा ने किया। विद्यालय स्टाफ ने विजेता सदनों को बधाई दी।

मुम्बई प्रवासी ट्रस्टी शशिकांत मोदी, गिलूराम मोदी, सौरभ मोदी, प्रियंक मोदी, कनिका मोदी और विद्यालय समन्वयक मनीष अग्रवाल ने भी विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

जेईएन को निलंबित करने की मांग, ग्रामीणों ने की नारेबाजी; मुकदमे के विरोध में सामूहिक गिरफ्तारी देने थाने पहुंचे

मधु दहिया

बुहाना (नवयत्न)। बिजली कटौती की समस्या को लेकर चौड़ाड़ी अगुणी गांव के ग्रामीणों का विरोध शनिवार को तेज हो गया। ग्रामीण बुहाना स्थित बिजली विभाग के सहायक अभियंता कार्यालय पहुंचे और कनिष्ठ अभियंता रजनी कुमारी को निलंबित करने की मांग को लेकर कार्यालय के बाहर नारेबाजी की। इसके बाद ग्रामीण कनिष्ठ अभियंता की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे के विरोध में सामूहिक गिरफ्तारी देने के लिए बुहाना थाने पहुंच गए। ग्रामीणों का कहना था कि जब उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है तो वे सामूहिक रूप से गिरफ्तारी देने के लिए तैयार हैं। ग्रामीणों के अनुसार, 3 सितंबर को बिजली कटौती की समस्या को लेकर वे बिजली विभाग में जवाब मांगने पहुंचे थे। ग्रामीणों का आरोप है कि वहां जेईएन रजनी कुमारी की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने बिजली कटौती की समस्या को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। बाद में जेईएन की ओर से ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। ग्रामीणों ने जेईएन पर अभद्रता सहित कई आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि मामले में जेईएन को निलंबित किया जाना चाहिए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जेईएन के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो बिजली विभाग के सहायक अभियंता कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान एडवोकेट शिवराज सिंह, गिरवर सिंह शेखावत, विरेंद्र सिंह तंवर, सुरेंद्र सिंह, हीरा सिंह, सुंदर सिंह, विजयपाल, योगेन्द्र शर्मा, कृष्ण शर्मा, शेर सिंह, कृष्णपाल शेखावत, राजेन्द्र शेखावत, धमेंद्र शर्मा, रणवीर, रूपसिंह, प्रदीप सिंह, रिशीराज, कुलदीप सिंह मौजूद रहे।

सम्पादकीय

ब्रिक्स की महत्ता

ब्राजील, रूस, भारत और चीन के लिए गढ़े गए शब्द ब्रिक में दक्षिण अफ्रीका के शामिल होने के बाद ब्रिक्स के नाम से चर्चित इस संगठन का शिखर सम्मेलन एक ऐसे समय भारत में हो रहा है, जब ऐसे किसी समूह की आवश्यकता और बढ़ गई है। इसका एक बड़ा कारण पश्चिम और विशेष रूप से उसका नेतृत्व कर रहे अमेरिका का मनमाना रवैया है। जब करीब एक दर्जन सदस्य देशों के साथ अन्य विकासशील देश इस संगठन का प्रभाव बढ़ता हुआ देख रहे हैं और उसे बढ़ाने की आवश्यकता जता रहे हैं, तब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम का यह कहना राजनीतिक संकीर्णता ही है कि आखिर ब्रिक्स सम्मेलनों से भारत को क्या लाभ मिला है?

लगता है वे इसे स्मरण नहीं करना चाहते कि इस संगठन ने मनमोहन सरकार के समय आकार लिया था। मनमोहन सिंह ने इसके पहले और दूसरे सम्मेलन में भाग भी लिया था। उस समय तो चिदंबरम मनमोहन सरकार में मंत्री भी थे। आखिर उन्होंने इसके पहले यह क्यों नहीं पूछा कि इस संगठन से भारत को क्या लाभ मिल रहा है? मनमोहन सरकार में वित्त मंत्री होने के नाते तो उन्हें खास तौर पर यह प्रश्न करना चाहिए था। यह अच्छा हुआ कि उन्हें उनकी ही पार्टी के नेता शशि थरूर ने जवाब दिया। पता नहीं इससे उन्हें ब्रिक्स की महत्ता समझ आएगी या नहीं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इस संगठन का और प्रभावी रूप में उभरना भारत के साथ विकासशील देशों के हित में है। यह सही है कि इस संगठन के सामने चुनौतियां भी हैं, लेकिन इसी के साथ उसके पास तमाम अवसर भी हैं। ब्रिक्स के समक्ष अवसरों की कमी इसलिए नहीं, क्योंकि सदस्य देश दुनिया की लगभग आधी आबादी और क्रय क्षमता के हिसाब से वैश्विक जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस मायने में ब्रिक्स समूह जी-7 से आगे है। पिछले कुछ समय में यह संगठन ग्लोबल साउथ कहे जाने वाले देशों की आवाज के साथ अपने न्यू डेवलपमेंट बैंक के जरिये डालर पर निर्भरता घटाने के मंच के रूप में उभरा है। देखना यह है कि दिल्ली में आयोजित बिक्स सम्मेलन में सदस्य और सहयोगी देश अपने मतभेदों को भुलाकर आपसी व्यापार को कितना आगे ले जाने की कोई ठोस रूपरेखा बना पाते हैं? ऐसी रूपरेखा इसलिए बननी चाहिए, क्योंकि इससे ही इस संगठन की अहमियत बढ़ेगी। आज जब अनेक देश आर्थिक, व्यापारिक और कूटनीतिक मामलों में पश्चिमी विश्व का नेतृत्व कर रहे अमेरिका की चौधराहट से परेशान हैं, तब यदि ब्रिक्स देश अपनी-अपनी मुद्राओं के जरिये आपसी व्यापार को बढ़ाने के लिए सहमत हो जाते हैं तो यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। यह समय की मांग है कि ब्रिक्स देश आपसी सहयोग के जरिये अपनी सच्ची एकजुटता का प्रदर्शन करें।

विशेष आलेख

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है- लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकनोमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रगति हुई है। यहां 'डी-डॉलराइजेशन' का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत का दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक है। भारत किसी नई साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा-पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोर्चेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन-देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा।

यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं। भारत का हित किसी एक शक्ति-ध्रुव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है। ब्रिक्स को यदि केवल 'पश्चिम के विकल्प' के रूप में प्रस्तुत किया गया तो उसकी स्वीकार्यता सीमित हो सकती है, लेकिन यदि वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच बनता है, तो उसका महत्व कहीं अधिक बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि बीसवीं सदी में बनाई गई संस्थाओं को इक्कीसवीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप बदलना होगा।

स्वास्थ्य समाचार

सूर्योदय से पहले उठने से सेहत को मिलते हैं यह खास फायदे

आपने अक्सर लोगों से सुना होगा, कि सुबह जल्दी उठना सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। हमें रोज सुबह सर्यू के निकलने से पहले उठ जाना चाहिए, क्योंकि इससे सेहत को अद्भुत फायदे मिलते हैं। लेकिन क्या आपने कभी यह जानने की कोशिश की है कि आखिर ऐसा क्यों है? क्या आपने कभी सोचा है सुबह जल्दी उठना सेहत के लिए कैसे फायदेमंद है, और क्यों आपके पेरेंट्स से लेकर शिक्षक तक, रोजाना सूर्योदय से पहले उठने की सलाह देते हैं? अगर नहीं, तो आप बिल्कुल सही जगह पर हैं। आयुर्वेद ने अपने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में सूर्योदय से पहले उठने के फायदों से जुड़ी खास जानकारी साझा की है। उन्हें सुबह उठने के महत्व को समझाते हुए, इसके फायदों पर विस्तार से चर्चा की। जो व्यक्ति अपने स्वास्थ्य की रक्षा करना चाहता है और हेल्दी रहना चाहता है उसे हमेशा सूर्योदय से पहले यानी ब्रह्म मुहूर्त के दौरान उठना चाहिए। ब्रह्म मुहूर्त सूर्योदय से 1.5 घंटे पहले का समय होता है। आयुर्वेद में

सुबह जागने के लिए इससे सबसे अच्छा समय माना जाता है। यह वह समय है जिसे ऋषि मुनि सुबह उठने के लिए सबसे शुभ समय बताते थे। यह ब्रह्म का समय है, जिसे प्रार्थना के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार जब आप सूर्योदय से पहले उठते हैं, तो यह आपको तरोताजा और ऊर्जावान बनाता है। यह आप में नई आशा, प्रेरणा और शांति को बढ़ावा देने में मदद करता है। इससे सेहत को गजब के फायदे मिलते हैं।

पेट को रखे स्वस्थ

आयुर्वेद के अनुसार यह हमारे शरीर से अतिरिक्त वात को खत्म करने का एक आदर्श समय है। यह हमारे पाचन को दुरुस्त करने और पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है।

आंतरिक शांति को मिलता है बढ़ावा

यह ध्यान या मेडिटेशन का अभ्यास करने से के लिए बहुत अच्छा है। इस समय आपने अपने विचारों को इकट्ठा करने और उनका विस्तार करने में मदद मिलती है। यह आपको शांत और आरामदायक महसूस करता है, इससे आपको आने वाले समय के लिए योजना बनाने और सही निर्णय लेने में आसानी होती है।

नींद अच्छी आती है : अध्ययनों में भी यह पाया गया है कि जो लोग नियमित सूर्योदय से पहले उठते हैं, उन्हें रात में नींद न आने की समस्या, नींद के दौरान बेचैनी और बार-बार आंख खुलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। यह आपको नींद की गुणवत्ता में सुधार करने में, साथ ही अच्छी और पर्याप्त नींद लेने में मदद करता है।

आपको रखे आगे : यह आपके जीवन में सकारात्मकता को बढ़ावा देता है। यह कोई संयोग नहीं कि दुनिया के सफल लोग सभी सूर्योदय से पहले उठते हैं।

यह आपको हमेशा आगे रखता है। जीवन में सफल व्यक्ति बनाने में एक अहम भूमिका निभाता है।

रोजाना एलोवेरा जूस पीने से मिलते हैं यह फायदे

एलोवेरा जेल और इसका जूस दोनों ही काफी ज्यादा फायदेमंद होते हैं। हेल्थ से लेकर ब्यूटी प्रॉब्लम को सुलझाने में ये काफी फायदेमंद हैं। खाली पेट एलोवेरा जूस पीना वजन कम करने, आपके शरीर में पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार और मल त्याग को आसान बनाने का अच्छा तरीका है।

पोषक तत्व का भंडार है एलोवेरा : एलोवेरा विटामिन, मिनरल्स, एंजाइम, सैपोनिन और अमीनो एसिड से भरपूर होता है। यह विटामिन ए, सी, ई, फोलिक एसिड, कोलीन का भंडार है। ये पाचन, त्वचा, दांत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम, क्रोमियम, सेलेनियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज, पोटेशियम, सोडियम और जस्ता भी है।

विटामिन और मिनरल्स से भरपूर : एलोवेरा जूस विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। शुरुआत में सिर्फ एलोवेरा जूस पीने से स्टार्ट करें और फिर बाद में इसे दूसरी चीजें जैसे गिलोए, आंवला या करेला के साथ मिक्स करें।

पाचन में मिलेगी मदद : एलोवेरा जूस रोजाना पीने से खराब पाचन, कब्ज, एसिडिटी और गैस जैसी कई पाचन से जुड़ी परेशानियों से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है। यह भूख बढ़ाने और वजन बढ़ने पर नियंत्रण रखने में भी फायदेमंद है।

टॉक्सिन होते हैं बाहर : एलोवेरा जूस पीने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन से छुटकारा मिलता है। इसे सुबह-सुबह पीने से आपको पाचन संबंधी समस्याओं को ठीक करने से लेकर सिस्टम की सफाई तक कई तरह से मदद मिलेगी।

एनीमिया में मददगार : एलोवेरा जूस का इस्तेमाल लंबे समय से आयुर्वेदिक दवाई बनाने के लिए किया जाता रहा है। पाचन और लिवर संबंधी परेशानी, एनीमिया, पीलिया और पित्त नली, पित्ताशय से संबंधित बीमारियों को ठीक करने में इस्तेमाल किया जाता है।

हार्मोनल समस्याएं होती हैं संतुलित : इस जूस का इस्तेमाल अक्सर कई दूसरे हर्बल टॉनिक में किया जाता है जो हार्मोनल मुद्दों के साथ-साथ पैंक्रियाज और प्लीहा संबंधी परेशानियों को ठीक करने में जरूरी हैं।

काले तिल के तेल से मालिश करने से जोड़ों का दर्द ही नहीं तनाव भी होता है दूर

सर्दियां शुरू होते ही ज्यादातर लोग शरीर की मालिश करवाना शुरू कर देते हैं। रोजाना शरीर की मालिश करवाने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। यही वजह है कि अपनी समस्याओं को देखते हुए लोग अलग-अलग तरह के तेल से अपनी मालिश करवाना पसंद करते हैं। आपने आजतक सरसों, बादाम, जैतून के तेल से तो कई बार मालिश करवाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी काले तिल के तेल से मालिश करवाई है?

पूजा के लिए इस्तेमाल होने वाले काले तिल से निकला हुआ तेल न सिर्फ आपने धार्मिक कारणों से बल्कि अपने गुणों की वजह से भी काफी पसंद किया जाता है। काले तिल का तेल फैटी एसिड से भरपूर होता है, जो आपकी त्वचा, बालों और नाखूनों के लिए काफी हेल्दी माना जाता है। इसके अलावा यह तेल त्वचा को मॉइस्चराइज करने का काम भी करता है। इसमें मौजूद विटामिन ई एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है, जो बढ़ती उम्र के लक्षणों को भी कम कर सकते हैं।

मांसपेशियों को मिलता है आराम : काले तिल के तेल से मालिश करने से मांसपेशियों को आराम मिलता है। यह आपकी मांसपेशियों को स्ट्रेस फ्री रखने के साथ दर्द और ऐंठन कोदूर करके आराम दिला सकता है।

वेट लॉस : तिल के तेल से मालिश करने से आपके शरीर को गर्माहट मिलती है, जो आपके शरीर की चर्बी को कम करने में असरदार साबित हो सकता है। तिल के तेल में मौजूद पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड, तेजी से वजन घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

जोड़ों के दर्द में आराम : काले तिल का तेल एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है, जो हड्डियों और जोड़ों की सूजन और दर्द को कम कर सकता है। काले तिल के तेल में मौजूद फैटी एसिड हड्डियों के लचीलेपन को बढ़ावा देता है।

शरीर की सूजन करे कम : काले तिल के तेल में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सूजन को कम करने में बेहद असरदार हैं। यह तेल नसों को स्ट्रेस फ्री करके बॉडी को रिलैक्स फील करवाने में मदद करता है, जिससे दर्द और सूजन में राहत मिलती है।

ब्लड सर्कुलेशन करता है बेहतर : काले तिल के तेल से बॉडी मसाज करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। यह नसों में गर्मी उत्पन्न करके ब्लड फ्लो बेहतर करने का काम करता है। अगर आपकी बॉडी में कहीं नील के निशान पड़े हैं तो काले तिल के तेल से शरीर की मसाज करें। इससे काफी लाभ मिलेगा।

तनाव करे कम : इस तेल की मालिश से एंजाइम और हार्मोन का प्रोडक्शन बेहतर होता है, जो आपके मूड को अच्छा कर सकता है।

आज का राशिफल

मेष

चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा। मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा।

वृष

वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास?थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

मिथुन

विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। कुसंगति से दूर रहें।

कर्क

बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा। आय होगी। व्यापार ठीक चलेगा।

सिंह

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी। जल्दबाजी से कोई भी कार्य न करें। विवाद में न पड़ें।

कन्या

दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

तुला

थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा। समय अच्छा व्यतीत होगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा। व्यापार ठीक चलेगा। मान-सम्मान मिलेगा।

धनु

वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। परिवार के साथ रहने का अवसर प्राप्त होगा।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी मनोरंजक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं।

कुंभ

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जल्दबाजी न करें।

मीन

बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। समय सुखमय व्यतीत होगा।

कल मनाया जाएगा गणेश चतुर्थी महोत्सव

श्रीराम तिवाड़ी

नोखा (नवयत्न)। लाहोटी चौक स्थित श्री वीर हनुमान मंदिर के पास अयोध्या धाम में चल रहे भव्य चातुर्मास महोत्सव के अंतर्गत सोमवार को श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव एवं गणेश सहस्त्रार्चन का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया जाएगा। नोखा तहसील चातुर्मास सत्संग समिति की ओर से आयोजित चातुर्मास महोत्सव के तहत सोमवार 14 सितंबर को शाम साढ़े 5 बजे विशाल पंडाल में प्रथम पूजनीय भगवान श्री गणेशजी महाराज का विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया जाएगा। इसके बाद श्री गणेश जी का सहस्त्रार्चन किया जाएगा। समिति के अनुसार सहस्त्रार्चन में शामिल होने वाले श्रद्धालु श्री गणेश जी की मूर्ति, संपूर्ण पूजा सामग्री तथा अपनी इच्छापूर्ति के फलस्वरूप जिस वस्तु से अर्चन करना चाहते हैं, उस वस्तु के 1100 नग साथ लेकर आएं। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समिति के प्रहलाद मोहता, दामोदर तिवाड़ी, गिरधारी पारीक, नारायण राठी, रमेश मालानी, प्रिया राठी एवं जुगल लोहिया सहित अन्य कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। समिति ने सभी सनातनी साधकों एवं श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर श्री गणेश सहस्त्रार्चन में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया है। गौरतलब है कि नोखा में 29 जुलाई से 30 अक्टूबर 2026 तक भव्य चातुर्मास महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। समिति के मीडिया प्रभारी इन्द्रचन्द मोदी ने प्रेस नोट जारी कर कार्यक्रम की जानकारी दी।

अग्रवाल पैंथर्स ने जीता एपीएल 2026 का खिताब

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। अग्रवाल प्रीमियर लीग (एपीएल) 2026 का रोमांचक फाइनल मुकाबला शनिवार को संपन्न हुआ। जिसमें अग्रवाल पैंथर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अग्रवाल रॉयल्स को 8 विकेट से हराकर एपीएल 2026 का खिताब अपने नाम किया। इस शानदार जीत के साथ पैंथर्स ने अग्रवाल समाज का गौरव बढ़ाया। प्रवक्ता आयुष बजाज ने बताया कि फाइनल मुकाबले में सुमित गिनोरिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैन द मैच का खिताब हासिल किया। मैच में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन पैंथर्स के शानदार प्रदर्शन के आगे रॉयल्स की टीम टिक नहीं सकी। फाइनल मुकाबले के दौरान दर्शकों की भारी भीड़ देखने को मिली और पूरे मैदान में दर्शकों का उत्साह व जोश देखते ही बना। इस विशेष अवसर पर खंडेला की बेटी लेफ्टिनेंट खुशी की गरिमामयी उपस्थिति ने भी आयोजन की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष बाबूलाल चौधरी, मुरारी न्यारीया, छाजू खेड़ीवाला, जुगल चौधरी एवं कुंदन कयाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वहीं महिला मंडल एवं अग्रवाल नवयुवक मंडल के सदस्य भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। अग्रवाल पैंथर्स की शानदार जीत के साथ एपीएल 2026 का रोमांचक और यादगार सफर शानदार समापन तक पहुंचा।

भोजलाई रोड की स्कूल वापस संचालित करने की मांग

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय भोजलाई रोड स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय को फिर से शुरू किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया है। ज्ञापन में बताया गया है कि इस विद्यालय को नवीन स्कूल में मर्ज किया गया है, जिसके कारण से बड़ी संख्या में बच्चे स्कूल से ड्रॉप आउट हो गए हैं। ऐसे में विद्यालय को फिर से शुरू किए जाने की आवश्यकता है। आरएलपी नेता डॉ अमृता चौधरी के नेतृत्व में किए गए प्रदर्शन के दौरान रैली के रूप में लोग उपखंड कार्यालय पर पहुंचे और नारेबाजी की। डॉ अमृता चौधरी ने बताया कि अगर समय रहते इस विद्यालय को फिर से शुरू नहीं किया गया, तो लोगो को मजबूरन आंदोलन शुरू करना पड़ेगा। ज्ञापन में विद्यालय प्रबंधन समिति के इस निर्णय की जांच किए जाने की मांग भी गई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान गजराज सहित अनेक मोहल्लेवासी मौजूद रहे। ज्ञापन जिला कलक्टर के नाम से था, जिसको उखंड अधिकारी के पीए अभिषेक मीणा ने प्राप्त किया।

उत्तर-पश्चिमी रेलवे के महाप्रबंधक शर्मा ने किया रतनगढ़ स्टेशन का निरीक्षण

रास्ते की मांग को लेकर महिलाओं ने रोका जीएम का रास्ता

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। उत्तर पश्चिमी रेलवे के महाप्रबंधक पंकज शर्मा शनिवार को चूरू एवं रतनगढ़ के दौरे पर रहे। वे बीकानेर से अपनी स्पेशल ट्रेन से रतनगढ़ पहुंचे तथा अमृत भारत योजना के तहत हुए निर्माण कार्यों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जीएम के दौरे को लेकर शहर के रेलवे पार आबादी के सैकड़ों लोग स्टेशन के पास एकत्रित हो गए तथा जीएम से बात करने के लिए इंतजार करने लगे। लेकिन जब जीएम उनके बीच नहीं पहुंचे और ट्रेन में बैठकर रवाना होने लगे, तो महिलाएं रेलवे पटरियों पर आ गई तथा उनकी ट्रेन का रास्ता रोक लिया। करीब 15 से 20 मिनट तक जीएम की स्पेशल ट्रेन को वहां से नहीं जाने दिया, उन्होंने रेलवे ट्रेक पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिस पर डीआरएम गौरव गोविल आक्रोशित लोगों के बीच पहुंचे तथा उनकी समस्या को सुना। इस दौरान महिलाओं ने कहा कि रेल लाइन के कारण शहर दो भागों में बंटा हुआ है और रेलवे फाटक भी अधिकांश समय बंद रहता है। अंडरब्रिज के नीचे पानी भर जाने के कारण आवागमन बंद हो जाता है। साथ ही पहले रेलवे पार पैदल जाने वाले लोग पटरियों के ऊपर से चले जाते थे, लेकिन अब रेलवे ने करीब 8 वार्डों का रास्ता जाली लगाकर रोक दिया, जिसके कारण लोगों को काफी घूमकर जाना पड़ता है, इसलिए ओवरब्रिज बनाया जाए और जब तक ओवरब्रिज नहीं बनता, तब तक अस्थाई रूप से रास्ता खोला जाए। डीआरएम ने आक्रोशित लोगों की समस्या सुनकर जीएम को अवगत करवाया, जिस पर जीएम शर्मा ने अस्थाई रूप से रास्ता खोलने का आश्वासन दिया, तब जाकर जीएम की ट्रेन ने यहां से चूरू के लिए प्रस्थान किया। इससे पूर्व जीएम शर्मा ने पत्रकारों से हुई वार्ता में कहा कि स्टेशन पर चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया है। निरीक्षण के दौरान प्राप्त समस्याओं व सुझावों को दर्ज किया गया है, जिनका भविष्य में स्थायी समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि रतनगढ़ स्टेशन को आधुनिक रूप में विकसित किया गया है, जहाँ सर्कुलेटिंग एरिया की समस्या का समाधान करने के साथ-साथ प्लेटफॉर्म्स पर नए शेड बनाए जा रहे हैं। यह आधारभूत ढांचा आगामी 30 से 40 वर्षों के बढ़ते यात्री दबाव और नई ट्रेनों के संचालन की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होगा। स्टेशन विस्तार के दौरान आम जनता के निजी निर्माण को प्रभावित किए बिना रेलवे अपनी उपलब्ध भूमि पर ही कम से कम व्यवधान के साथ कार्य कर रहा है। दिव्यांग और वरिष्ठ यात्रियों की सुविधा के लिए रैंप बनाए गए हैं तथा बीच के प्लेटफॉर्म पर सीढ़ियों के साथ लिफ्ट की व्यवस्था भी आगामी समय उपलब्ध होगी। जीएम ने कहा कि सभी स्टेशनों का विकास बिना किसी भेदभाव के समान प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है, जहां गुणवत्ता, सुगमता और स्वच्छता मुख्य लक्ष्य हैं। इसके अलावा स्टेशन पर निर्माणाधीन पुल का कार्य भी तेजी से जारी है, जिसे अगले कुछ महीनों में पूरा कर यात्रियों को समर्पित किया जाएगा। इस दौरान नई ट्रेनों के संचालन, ट्रेनों के फेरे बढ़ाने, स्टेशन पर सुविधाओं का विस्तार करने सहित कई मांगों को लेकर विभिन्न संगठनों ने जीएम को ज्ञापन भी सौंपे। इस अवसर पर विधायक पुसाराम गोदारा सहित कई रेलवे अधिकारी उपस्थित थे।

गणेश मंदिर में विशाल जागरण व मेला आज

निसं

तारानगर (नवयत्न)। तहसील क्षेत्र के ग्राम सात्यूँ में स्थित गणेश मंदिर में गणेशजी महाराज के विशाल जागरण व मेले का आयोजन रविवार को किया जाएगा। मेले को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है और मंदिर परिसर में तैयारियां जोरों पर हैं। आयोजकों भगवती महाराज के अनुसार शुभ मुहूर्त भादवा शुक्ला तीज के अवसर पर रविवार को गणेशजी महाराज के जागरण का आयोजन होगा। वहीं 14 सितंबर, सोमवार को गणेशजी महाराज के धोक का कार्यक्रम रखा गया है। जागरण में चाणचकिया एंड पार्टी सीथल वाले द्वारा भजन एवं धार्मिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर गणेश जी महाराज के दर्शन एवं कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 85 लाभांवित

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम द्वारा आचार्य महाश्रमण की प्रेरणा से संचालित राष्ट्रव्यापी जनकल्याणकारी अभियान मिशन दृष्टि के अंतर्गत शहर के मदनलाल भंवरी देवी आर्य मेमोरियल उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का अत्यंत सफल आयोजन संपन्न हुआ। इस विशेष स्वास्थ्य शिविर के दौरान टीम द्वारा प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को नेत्र से जुड़ी विभिन्न आवश्यक जानकारियों से अवगत करवाया। वहीं जांच के दौरान विद्यालय के सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ की दृष्टि की विभिन्न आधुनिक मशीनों के द्वारा गहन जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार उन्हें उचित चिकित्सीय परामर्श एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। इस दौरान टीम द्वारा कुछ चश्में भी सौंपे गए। विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस सराहनीय पहल के लिए प्रति संस्था निदेशक वेदप्रकाश आर्य व प्राचार्य कंचन लता आर्य द्वारा तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, आयोजन समिति, उपस्थित सभी समर्पित चिकित्सकों एवं सेवाभावी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। टीम में नेत्र सहायक रामाशंकर पांडे, राजकुमार सेठिया, पायलेट दिनेश मेहरिया व सीताराम गुर्जर शामिल रहे।

मतदाताओं ने उत्साह से किया मतदान, अब कांग्रेस हैट्रिक लगाएगी या भाजपा की वापसी होगी

नंदलाल गौड़

लोसल (नवयत्न)। शहर की नई सरकार बनाने के लिए पार्षद चुनने की प्रथम प्रकिया मतदान के जरिए पूरी हो चुकी है अब शहर की सरकार किसकी बनेगी सोमवार को मतगणना होने के बाद तस्वीर साफ होगी कि मतदाताओं ने किस पार्टी पर भरोसा जताते हुए अपना जनादेश दिया है। उसके आधार पर दूसरी प्रक्रिया तय होगी कि नगरपालिका में किस पार्टी की सरकार बनेगी। मतदाताओं में मतदान के प्रति अच्छा खासा जोश रहा उन्होंने अच्छा खासा मतदान करके मतदान प्रतिशत करीब नगरपालिका क्षेत्र का 79 तक पहुंचा दिया। पार्षद चुनने का चुनाव संपन्न होने के बाद अब शहर की गलियों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों की चौपाल में हार जीत और किसकी बनेगी सरकार के कयास लगाए जा रहे हैं। लेकिन उम्मीदवारों की हार-जीत का कयास के साथ साथ एक खबर यह भी निकल कर सामने आ रही है कि कांग्रेस भाजपा के साथ साथ निर्दलियों ने भी चुनाव मैदान में दम खम दिखाया है ऐसे में यहां पर निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनाव जीतने की पॉजीशन पर आ सकते हैं।

यहां बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशी चुनावी दंगल में थे। लोगों की चर्चा के अनुसार नौ-दस निर्दलीय प्रत्याशी जीत के करीब लोगों के आंकलन में गिने जा रहे है। यानी 35 वार्ड में से दस निर्दलीय प्रत्याशियों की अच्छी पॉजीशन मानी जा रही है। एक तरह से त्रिकोणीय मुकाबला के कगार पर नगरपालिका चुनाव का परिणाम आने की एक संभावना है । ऐसे में किसी दल को पूर्ण बहुमत हासिल नहीं होने से विकट स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जबकि भाजपा तेरह से पंद्रह, कांग्रेस दस बारह सीट जीतने का आंकलन लोग लगा रहे हैं। लोगों का अनुमान अगर सटीक बैठता है तो कुल मिलाकर भाजपा टॉप पर तो है लेकिन किसी दल को पूर्ण बहुमत हासिल नहीं हो रहा है। निर्दलीय प्रत्याशियों के बिना किसी दल की सरकार नहीं बन सकती है। कांग्रेस यहां पर हैट्रिक लगाएगी या भाजपा की सत्ता में वापसी होगी।

असल में क्लियर तस्वीर तो मतगणना होने के बाद साफ होगी यह एक लोगों का अनुमान है। पार्षदों का चुनाव संपन्न होने के साथ ही यहां पर बाड़े बंदी हो चुकी है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टियों अपनी-अपनी जीत के लिए दावे कर रहे हैं। नगरपालिका में बोर्ड बनाने के लिए दोनों दल की ओर से संभावित जीत सकते पार्षदों की घेराबंदी करने की चर्चाएं तेज हो गई है । इस बार शहरी एवं ग्रामीण मिलकर शहर की सरकार बनाएंगे। पार्षदों के हुए चुनाव में काफी लोगों में उत्साह बना हुआ रहा और घरों से निकलकर मतदान किया। कई वार्डों में त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला है। अब देखना यह है कि किसके सिर बंधेगा मुखिया का ताज।

सेप्सिस से बचाव के लिए जरूरी है चेतावनी संकेतों की समय पर पहचान : डॉ. वैभव भार्गव

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सामान्य दिखने वाला संक्रमण कुछ ही घंटों में जानलेवा आपात स्थिति में बदल सकता है। विश्व सेप्सिस दिवस पर क्रिटिकल केयर विशेषज्ञों ने लोगों से संक्रमण के दौरान मरीज की स्थिति में अचानक होने वाले बदलावों को नजरअंदाज नहीं करने की अपील की। सेप्सिस संक्रमण के प्रति शरीर की अत्यधिक और अनियंत्रित प्रतिक्रिया है, जो समय पर उपचार नहीं मिलने पर सेप्टिक शॉक और कई अंगों के विफल होने का कारण बन सकती है। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल जयपुर के सीनियर कंसल्टेंट-क्रिटिकल केयर मेडिसिन डॉ. वैभव भार्गव ने बताया कि सेप्सिस के शुरुआती लक्षण सामान्य संक्रमण जैसे हो सकते हैं। तेज या कठिन सांस, अचानक भ्रम, रक्तचाप गिरना, पेशाब कम होना और अत्यधिक कमजोरी जैसे संकेत मरीज की स्थिति बिगड़ने की चेतावनी हैं। ऐसे में तत्काल चिकित्सकीय उपचार जरूरी है। समय पर पहचान और उपचार गंभीर अंग विफलता से बचाने में महत्वपूर्ण हो सकता है। सेप्सिस बैक्टीरियल, वायरल या फंगल संक्रमण के कारण हो सकता है। संक्रमण से लड़ने के बजाय शरीर की अत्यधिक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया स्वस्थ ऊतकों और महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचाने लगती है। स्थिति बिगड़ने पर सेप्टिक शॉक और मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर हो सकता है, जिसके लिए गहन चिकित्सा देखभाल की जरूरत पड़ती है। चिकित्सकों के अनुसार तेज, उथली या कठिन सांस, सामान्य से बहुत तेज हृदय गति, भ्रम या अत्यधिक नींद, दिशाभ्रम अथवा अस्पष्ट बोलना, तेज बुखार, कंपकंपी या असामान्य रूप से कम तापमानए पेशाब की मात्रा में अचानक कमी, अत्यधिक सुस्ती और रक्तचाप में अचानक गिरावट सेप्सिस के गंभीर संकेत हो सकते हैं। विशेषज्ञों ने घाव, यूरिनरी या सांस संबंधी संक्रमण की स्थिति बिगड़ने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेने की बात कही। बिना डॉक्टर की सलाह के बची हुई एंटीबायोटिक दवाएं लेने से बचने और चिकित्सक द्वारा निर्धारित एंटीबायोटिक का पूरा कोर्स करने की सलाह दी गई। अनावश्यक एंटीबायोटिक उपयोग से दवा-प्रतिरोधी सुपरबग्स का खतरा बढ़ता है। संक्रमण से बचाव के लिए घाव साफ रखना, नियमित हाथ धोना और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार टीकाकरण कराना भी जरूरी है। भारत में संक्रमण की रोकथाम, निगरानी और प्रभावी उपचार के साथ एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस एएमआर की निगरानी पर भी जोर दिया जा रहा है। राजस्थान में भी एएमआर निगरानी से संबंधित पहल संचालित की जा रही हैं, ताकि जीवनरक्षक एंटीबायोटिक्स की प्रभावशीलता बनी रहे।

ईवीएम में कैद 154 प्रत्याशियों का भाग्य

14 सितंबर को खुलेगा चुनावी परिणाम का पिटारा

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। नगर पालिका चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के साथ ही अब शहर के 45 वार्डों के 154 अभ्यर्थियों का भाग्य ईवीएम मशीनों में कैद हो गया है। मतदान के बाद सभी ईवीएम मशीनों को राजकीय कन्या कॉलेज स्थित स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखवाया गया है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। लाडनूं एसएचओ शिम्भु दयाल के नेतृत्व में पुलिस का कड़ा पहरा लगाया गया है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि ईवीएम की सुरक्षा में किसी प्रकार की कोई चूक न होने पाए। अब प्रत्याशियों और समर्थकों को 14 सितंबर का बेसब्री से इंतजार है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार सुबह 8 बजे से ईवीएम की मतगणना शुरू होगी और परिणाम जारी किए जाएंगे। मतगणना के साथ ही 45 वार्डों में किस प्रत्याशी के पक्ष में जनता ने अपना फैसला सुनाया है, इसकी तस्वीर साफ हो जाएगी। चुनाव परिणाम को लेकर प्रत्याशियों के साथ-साथ समर्थकों में भी उत्सुकता बनी हुई है। कहीं जीत के दावे किए जा रहे हैं तो कहीं हार-जीत के आंकड़ों को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है।

मूर्ति स्थापना के साथ शुरू हुआ गणेश चतुर्थी महोत्सव

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय श्री सिद्धि गणेश सेवा समिति द्वारा आयोजित 34 वां गणेशं महोत्सव मूर्ति स्थापना के साथ शुरू हो गया है। श्री सिद्धी गणेश मंदिर में मूर्ति स्थापना पण्डित सोमदत दाधीच एंव विनोद द्वारा करवाई गई। मुख्य यजमान पवन मौसूण, सहदेव कड़ेल, गिरधारी लाल जांगिड़, राजेन्द्र भामा, शंकर माली ने सपत्नीक पूजा अर्चना की। वहीं शाम को आरती की गई। अरविंद सोनी ने बताया कि रविवार को सांयकाल आरती के बाद विशाल जागरण का आयोजन किया जायेगा, जिसमें राजस्थान की प्रसिद्ध भजन गायिका आशा वैष्णव द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएगी। समिति के अध्यक्ष अरविंद सोनी ने बताया कार्यक्रम को सफल बनाने में रमेश स्वामी, मदन लाल भामा, गोपाल सोनी, सुरेश अरोड़ा, हनुमान सोनी, राहुल शर्मा, लाला प्रजापत, नंदकिशोर जांगिड़, गोपाल प्रजापत, सुभाष बरमेचा, लोकेश सोनी, ललित जांगिड़, रवि शर्मा आदि सहयोग कर रहे हैं।

चुनावी माहौल में मारपीट और सोने की चेन छीनने का आरोप

श्रीराम तिवाड़ी

नोखा (नवयत्न)। नगरपालिका चुनाव के दौरान मतदान केंद्र के पास मारपीट और सोने की चेन छीनने का मामला सामने आया है। इस संबंध में गोपीराम पुत्र भंवरलाल, निवासी कुम्हारा चौक, नोखा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट देकर मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार गोपीराम वार्ड नंबर 9 के मतदान केंद्र सुथार समाज भवन में चुनाव देखने के लिए गया था। इसी दौरान सुखराम भादू, जगदीश ढाका, गंगाराम भादू, सुरेश ढाका, श्रवण भादू, हनुमान पुत्र पोखरराम जाट, सावतराम हुडी सहित 5-6 अन्य लोगों ने उसे कथित रूप से घेर लिया। परिवादी का आरोप है, कि आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से उस पर चाकू से हमला करने का प्रयास किया। बचाव के दौरान उसकी आंख की भौंह के नीचे चोट लग गई, जिससे वह नीचे गिर गया। इसके बाद आरोपियों ने कथित रूप से एकराय होकर उसके साथ थप्पड़-मुक्कों से मारपीट की। रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि मारपीट के दौरान गंगाराम भादू ने परिवादी के गले में पहनी सोने की चेन छीन ली। घटना के बाद परिवादी ने पुलिस थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दी। पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट के आधार पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा घटना की जांच की जा रही है, तथा आरोपों की पुष्टि के लिए संबंधित पक्षों से पूछताछ और अन्य साक्ष्यों की जांच की जाएगी।

माँ गायत्री री ढाणी में 14 से 16 सितंबर तक होगा गणेश महोत्सव

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। पाबोलाव क्षेत्र के समीप गायत्री नगर स्थित माँ गायत्री री ढाणी में 14 से 16 सितंबर तक तीन दिवसीय गणेश महोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया जाएगा। व्यवस्थापिका डॉ ईशा गुर्जर ने बताया कि 14 सितंबर को भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना का शुभारंभ होगा। इसी दिन शाम को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा तथा पुष्पों की होली का कार्यक्रम भी होगा। 15 सितंबर को भगवान गणेश की नित्य आरती एवं पूजा-अर्चना के बाद शाम को भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु भक्तिमय वातावरण में भजनों का आनंद लेंगे। वहीं 16 सितंबर को नित्य आरती एवं पूजा-अर्चना के बाद भगवान गणेश की प्रतिमा का विधिवत विसर्जन माँ गायत्री री ढाणी स्थित श्री राम सरोवर में किया जाएगा। डॉ ईशा गुर्जर ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में माँ गायत्री री ढाणी पहुंचकर गणेश महोत्सव के विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने तथा भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया।

वार्ड नं. 55 के पोलिंग बूथ रिकॉर्ड की जांच करने की मांग

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। जिला निर्वाचन अधिकारी को एक शिकायत कर वार्ड नं. 55 के उम्मीदवार गजराज राणा, राहुल और सुनील ने वार्ड नं. 55 के पोलिंग बूथ पर हुए मतदान की सीसीटीवी व अन्य रिकॉर्ड सील करने तथा बालाजी स्कूल में हुई पोलिंग की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है किस बूथ पर फर्जी वोटिंग हुई था पीछे के गेट से फर्जी मतदाता को एंट्री दी गई तथा प्रत्याशियों के पोलिंग एजेंटो को भी मतदान केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। अत: इस पूरे मामले की निर्वाचन नियमों के अनुसार जांच की जावे।

भारत की इन जगहों को कभी घूमें हैं आप? एक से दो घंटों में घूमकर वापस लौट सकते हैं घर

गोकर्ण, कर्नाटक

अपने प्राचीन समुद्र तटों और लुभावने परिदृश्यों के साथ, गोकर्ण कर्नाटक में एक हिंदू तीर्थ शहर है। समुद्र तट प्रेमियों के लिए तो ये जगह एक स्वर्ग है। गोकर्ण हर साल शांति से समय बिताने वाले लोगों को बेहद आकर्षित करता है, साथ ही ये जगहें कपल्स के बीच भी काफी लोकप्रिय है। कुडले समुद्र तट और ओम बीच शहर की रौनक को बढ़ा देते हैं। नारियल और ताड़ के पेड़, समुद्र और साफ रेत से भरा गोकर्ण देश की देखने लायक जगहों में आती है।

सांची, मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश में स्थित, सांची के बौद्ध स्मारक भारत की सबसे पुरानी पत्थर की संरचनाओं में से एक हैं। यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल नामित, महान स्तूप को तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्य वंश के सम्राट अशोक द्वारा स्थापित किया गया था। साइट पर मौजूद मूर्तियां और स्मारक मध्य प्रदेश में बौद्ध कला और वास्तुकला के विकास का एक बेहतरीन उदाहरण हैं। यह बौद्ध तीर्थयात्रा और तीर्थयात्रियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है। दुनिया भर से पर्यटक इस जगह की सैर करने के लिए आते हैं।

ऊटी, तमिलनाडु

नीलगिरि पहाड़ियों के बीच बसा, ऊटी, जिसे उदगमंडलम के नाम से भी जाना जाता है, तमिलनाडु का एक हिल स्टेशन है, जिसे लोगों द्वारा बेहद पसंद किया जाता है। ऊटी को कभी ईस्ट इंडिया कंपनी का ग्रीष्मकालीन मुख्यालय माना जाता था, जिसे अभी पहाड़ियों की रानी के नाम से भी जाना जाता है। चाय के बागानों, शांत झरनों, घुमावदार देसी गलियों और आकर्षक औपनिवेशिक वास्तुकला से युक्त, ऊटी हर किसी के लिए एकदम परफेक्ट जगह है। हनीमून मनाने वालों के बीच लोकप्रिय, ऊटी अपने खूबसूरत नजारों से लोगों को रोमांटिक बना देता है।

कोटा, राजस्थान

कोटा, राजस्थान का तीसरा सबसे अधिक आबादी वाला शहर, चंबल नदी के किनारे स्थित है, जो राजस्थान की एकमात्र बारहमासी नदी है। स्थानीय लोग और पर्यटक नदी के किनारे मगरमच्छों को देखने, पक्षियों को देखने और बोटिंग का मजा लेने के लिए आते हैं। कोटा आईआईटी-जेईई और मेडिकल एंट्रेंस की तैयारी के लिए अपनी समृद्ध कोचिंग संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है और हर साल चार लाख से अधिक छात्र शहर में आते हैं और रहते हैं। शहर महलों के रूप में इतिहास की एक झलक और विभिन्न उद्यानों के रूप में प्रकृति की एक झलक भी प्रस्तुत करता है, यहां का सबसे प्रसिद्ध चंबल पार्क है।

अजंता और एलोरा गुफाएं, महाराष्ट्र

अजंता और एलोरा की गुफाएं, प्राचीन रॉक-कट गुफाओं के बेहतरीन उदाहरणों में से एक मानी जाती हैं, जो भारत के महाराष्ट्र में औरंगाबाद के पास स्थित हैं। अजंता और एलोरा गुफाओं का परिसर सुंदर मूर्तियों, चित्रों और भित्तिचित्रों से सुशोभित है और इसमें बौद्ध मठ, हिंदू और जैन मंदिर शामिल हैं। अजंता की गुफाओं की संख्या 29 है और इन्हें दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व और छठी शताब्दी ईस्वी के बीच बनाया गया था, जबकि एलोरा की गुफाएं अधिक फैली हुई हैं और संख्या में 34 हैं और 6 वीं और 11 वीं शताब्दी ईस्वी के बीच की अवधि की हैं। अजंता और एलोरा की गुफाएं यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों के रूप में नामित हैं और दुनिया भर में यात्रियों के बीच काफी लोकप्रिय हैं।

औली, उत्तराखंड

सेब के बागों, पुराने ओक और देवदार के पेड़ों से लदी औली में प्राकृतिक सुंदरता की कोई कमी नहीं है। स्कीइंग के अलावा आप गढ़वाल हिमालय की पहाड़ियों में कई तरह की ट्रैकिंग का भी मजा ले सकते हैं और बर्फ से ढके पहाड़ों के मंत्रमुग्ध कर देने वाले दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। अपनी शानदार ढलानों और स्वच्छ वातावरण के कारण औली भारत में एक लोकप्रिय स्कीइंग डेस्टिनेशन है। औली कई धार्मिक स्थलों से भी घिरा हुआ है।

आने वाली है सर्दियां... आपका भी हो रहा है घूमने का मन? तो दिल्ली के पास की ये ठंडी जगह कर देंगी आपको दीवाना

दिल्ली एक ऐसी जगह है, जहां से बेहद ही आसानी से कहीं भी पहुंचा जा सकता है, फिर चाहे वो लोकप्रिय डेस्टिनेशन हो या ऑफबीट हॉलिडे डेस्टिनेशन, दिल्ली से आप कहीं भी जा सकते हैं। इन सर्दियों में अगर आपका भी मन मजेदार जगहों पर घूमने का कर रहा है, तो जल्दी ही आज से अपने दोस्तों या परिवार वालों के साथ प्लान बनाना शुरू कर दें।

हस्तिनापुर :

हस्तिनापुर अपनी प्राचीन, भव्य और जटिल नक्काशी और वास्तुकला और दिलचस्प इतिहास के साथ दिल्ली से लगभग 130 किलोमीटर दूर है। सर्दियों के मौसम में आप इस शहर को काफी अच्छे से देख सकते हैं। हस्तिनापुर की उत्पत्ति महाभारत के प्राचीन पाठ में मिलती है जिसे पांडवों के शासन में राजधानी शहर के रूप में जाना जाता है। कई सुंदर और प्राचीन मंदिरों का घर होने के अलावा, यह अपने विशाल वन्यजीव अभयारण्य के लिए भी जाना जाता है जो विभिन्न प्रकार के वनस्पतियों और जीवों का घर है।

सरिस्का टाइगर रिजर्व :

अगर आप वाइल्डलाइफ लवर हैं, तो दिल्ली से 200 किमी की दूरी पर मौजूद सरिस्का टाइगर रिजर्व घूमने के लिए शानदार जगह है। यहां के अधिकारी सुबह-सुबह पर्यटकों को जंगल सफारी के लिए ले जाते हैं - यहां की जंगल सफारी पहली शुरुआत सुबह 6.30 बजे होती है। यहां कुल मिलाकर 14 बाघ हैं, जिनमें तेंदुआ, नीलगाय, हिरण (चित्तीदार और सांभर), जंगली सूअर, मगरमच्छ और कई पक्षी प्रजातियों जैसे जंगली जानवरों की अन्य प्रजातियां हैं।

जयपुर :

राजस्थान का सांस्कृतिक रूप से समृद्ध गुलाबी शहर, जयपुर दिल्ली से पांच घंटे की ड्राइव दूर है। सुंदर किलों, आंखों को सुकून देने वाले महलों और प्राचीन मंदिरों के साथ, जयपुर इतिहास प्रेमियों के लिए एक स्वर्ग है। यहां तक कि जयपुर की गलियां भी इस जगह का इतिहास रचती हैं। अंबर किला, हवा महल और जंतर मंतर कुछ जगह हैं, जिन्हें आप जयपुर में देख सकते हैं। अगर आप जयपुर जा रहे हैं, तो यहां 3 से 4 दिन के लिए जरूर ठहरें। दिल्ली से जयपुर की दूरी 280 किमी है।

औली :

यह खूबसूरत हिल स्टेशन दिल्ली से 262 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जहां आप सात या आठ घंटे की ड्राइव पर पहुंच सकते हैं। देखने लायक जगह होने के साथ-साथ ये प्लेस अपनी स्कीइंग एक्टिविटी के लिए भी जानी जाती है। यहां आप स्की का भरपूर मजा ले सकते हैं, गंडोला राइड पर जा सकते हैं, ओक के जंगलों में ट्रैकिंग कर सकते हैं, पहाड़ियों से सूर्योदय देख सकते हैं। अब दिल्ली से इतना दूर जा रही रहे हैं, तो ऐसी एक्टिविटी को बिल्कुल भी मिस न करें। सर्दियों में दिल्ली के पास घूमने की जगहों में से एक, खासकर स्कीइंग के शौकीनों के लिए ये जगह बेस्ट है।

मनाली :

दिल्ली से लगभग 500 किलोमीटर की दूरी पर, मनाली अपने शांत वातावरण और खूबसूरत जगहों के लिए जाना जाता है। यहां का प्राचीन हिडिम्बा देवी मंदिर लोगों को अपनी सुंदरता से लोगों का दिल जीत लेता है। मनाली जा ही रहे हैं, तो यहां के तिब्बती मठ और प्राचीन गावों को जरूर देखें। साथ ही यहां का गर्म झरना भी लोगों के बीच एक फेमस आकर्षण है। कुछ मेजदार एक्टिविटीज के लिए आप सोलंग घाटी जा सकते हैं।

पुष्कर :

भारत के सबसे पुराने और पवित्र शहरों में से एक, पुष्कर कई आकर्षणों का शहर है। नेशनल हाइवे 8 पर दिल्ली से सिर्फ सात घंटे की दूरी पर, पुष्कर सर्दियों के दौरान वीकेंड पर घूमने के लिए एक अच्छा शहर है क्योंकि यहां मानसून के बाद आप हर तरफ हरियाली देख सकते हैं। पुष्कर मेला जो आमतौर पर नवंबर में आयोजित होने वाले रेगिस्तान के लोगों के लिए एक सांस्कृतिक उत्सव है, और पुष्कर जाने का यह सबसे अच्छा समय माना जाता है। पुष्कर झील, भगवान ब्रह्मा मंदिर, सावित्री देवी मंदिर, बाजार, रंगजी मंदिर यहां के प्रमुख आकर्षण हैं। दिल्ली से पुष्कर की दूरी 403 किमी है।

चित्तौड़गढ़ :

चित्तौड़गढ़ अपनी अमर लोककथाओं के लिए जाना जाता है, जिसे आप यहां की हर गली और सड़कों पर अभी भी महसूस कर सकते हैं। अपनी राजसी महिमा को संभाले हुए यहां के सुंदर किले, महल और खंडहर देखने में बेहद ही खूबसूरत लगते हैं। यह सर्दियों में दिल्ली के पास घूमने के लिए सबसे अच्छी ऑफबीट जगहों में से एक है। दिल्ली से चित्तौड़गढ़ की दूरी 579 किमी है।

उदयपुर को क्यों कहा जाता है सबसे रोमांटिक शहर...

भारत में हमेशा रोमांटिक डेस्टिनेशन की सूची में, उदयपुर सबसे ऊपर आता है। आप बल्कि लोगों से भी पूछेंगे कि आपको भारत की कौन सी जगह सबसे ज्यादा रोमांटिक लगती है, तो उनका भी यही कहना होगा कि या तो केरल या फिर उदयपुर। रोमांटिक तो खैर है, यहां की झीलें लोगों का दिल जीत लेती हैं।

बोटिंग - पिछोला झील उदयपुर

उदयपुर एक खूबसूरत जगह है, जो पिछोला झील, जग मंदिर पैलेस और कई झीलों से जुड़ी हुई है। सर्दियों की शाम को तो झील के पास का नजारा बेहद रोमांटिक लगता है। सूर्यास्त के समय तो लोग यहां बोटिंग मजा लेने आते हैं और ढेर सारी फोटोज खिचवाते हैं। अगर आप अपनी छुट्टियों में झील फैक्टर को शामिल करना चाहते हैं, तो हमारी सलाह है कि आपको यहां की पिछोला झील जाना चाहिए या उन होटलों में भी रुक सकते हैं, जहां से झील का नजारा दिखता है।

मानसून की खूबसूरती अंबरी घाट

भारत में मानसून का मौसम बेहद रोमांटिक होता है, ऐसे में उदयपुर की खूबसूरती बारिश के मौसम में और भी ज्यादा आकर्षक लगने लगती है। वैसे मानसून और गर्मियों के मौसम में आपको पर्यटक यहां कम दिखाई देंगे। ये जगह तो सर्दियों में घूमने के लायक है, यहां की हल्की हल्की ठंडी हवाएं, लोगों को अपने प्यार की याद दिला देती हैं। उदयपुर अपने पिकनिक स्पॉट के लिए भी जाना जाता है, जहां लोग झील के सामने बैठकर मस्ती करते हैं। यहां आप बोटिंग भी कर सकते हैं, जहां का नजारा विदेशी जगहों से कम नहीं लगता।

रॉयल रोमांस - जग मंदिर

इस जगह के शाही महल को देखने के लिए पर्यटक काफी दूर-दूर से आते हैं। अगर आप भी उदयपुर जा रहे हैं, तो रोमांटिक समय बिताने के लिए आप लेक पैलेस, मानसून पैलेस, सिटी पैलेस, फतेह प्रकाश पैलेस घूम सकते हैं। दर्शनीय स्थलों की यात्रा के अलावा, आप इन महलों में रॉयल तरीकों से रह सकते हैं, क्योंकि इनमें से ज्यादातर होटल हेरिटेज हैं।

उदयपुर में खरीदारी

इस शहर में आपको एक से एक इंटरनेशनल ब्रांड देखने को मिल जाएंगे। इसके आलावा यहां की लोकल मार्किट से भी आप शॉपिंग कर सकते हैं, जहां कि प्राचीन चीजें, स्मृति चिन्ह काफी ज्यादा लोकप्रिय है। राजस्थानी पगड़ी फ्लॉन्ट करने के लिए यहां से आप रंग-बिरंगी पगड़ी भी खरीद सकते हैं। यहां का स्ट्रीट फूड भी काफी टेस्टी होता है शॉपिंग के बाद इन्हें भी जरूर टेस्ट करें।

उदयपुर की जगहें

फोटोजेनिक स्पॉट का आनंद लेने के लिए उदयपुर सबसे अच्छी जगह है। घाट, ताजा झील के किनारे, प्राकृतिक जगहों की तस्वीरें जीवनभर के लिए एक अलग ही यादें जोड़ देती हैं। अगर आप मस्ती के साथ-साथ खूब सारी फोटोज भी खींचने जा रहे हैं तो आपको फतेह सागर झील, सिटी पैलेस, मानसून पैलेस, बड़ी झील, रानी रोड, गणगौर घाट, अंबरी घाट जरूर जाना चाहिए।

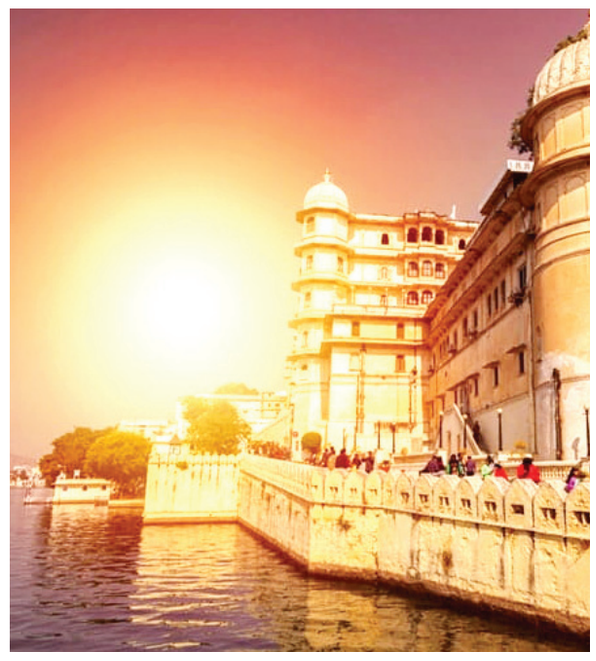

ब्रेकअप के बाद अपना हाल ए दिल भारत की इन खूबसूरत जगहों के साथ बांटिए

ब्रेकअप के बाद आगे बढ़ पाना हर किसी के लिए काफी मुश्किल होता है, फिर चाहे वो रिश्ता एक साल का हो या 7 साल, अलग होने के बाद हर कोई चाहता है कि या तो वो यादें हमारे दिमाग से मिट जाएं या फिर कुछ ऐसा चमत्कार हो जाए जिससे हम फिर से सब कुछ नया शुरू कर सकें। अगर आप भी हाल ही में या काफी समय से ब्रेकअप जैसी मुश्किल घड़ी से जूझ रहे हैं, तो ऐसे में क्यों न आप अपना मूड़ फ्रेश करने के लिए कहीं घूमकर आएं। भारत में ऐसी कई जगहें हैं, जिनके बीच अगर आप 2 से 3 दिन भी रह लेंगे तो यकीनन आपका मूड़ काफी फ्रेश हो जाएगा।

गोवा : हमने आपके लिए सबसे ऊपर भारत का वेगस, यानी गोवा को रखा है। आपका ब्रेकअप हुआ हो या न हुआ हो, गोवा एक ऐसी जगह है जो आपको पूरे जोश से भर देती है, हर टेंशन को भुला देती है। आप चाहे यहां दोस्तों के साथ आएं या अकेले आएं, गोवा अपनी खूबसूरती से आपको अट्रैक्ट करने में कोई कमी नहीं छोड़ेगा। यहां की जगहों को एक्सप्लोर करने के अलावा यहां स्नॉर्कलिंग, सर्फिंग, जेट-

स्कीइंग, वाटर-स्कीइंग, स्कूबा डाइविंग और विंडसर्फिंग और कई स्पा और आयुर्वेदिक रिसॉर्ट्स हैं जो आपका मूड़ फ्रेश कर देंगे।

सिक्किम : दो तरह के लोग होते हैं - एक जो समुद्र तटों से प्यार करते हैं और दूसरे जो पहाड़ियों से प्यार करते हैं। अगर आप नेचर लवर हैं, तो ब्रेकअप के बाद आपको सिक्किम जाना चाहिए। सिक्किम पहाड़ियों से घिरा राज्य है, जो अपने नजारों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर देता है। आपने आज तक घुड़सवारी या ऊंट सवारी की होगी, लेकिन अब यहां आप याक सफारी भी कर सकते हैं। उत्तरी सिक्किम में आप 17,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित शानदार गुरुडोंगमार झील के दर्शन भी कर सकते हैं। सिक्किम में आपको ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग और केबल राइड जैसी कुछ अन्य चीजें भी कर सकते हैं।

उदयपुर : अगर समुद्र तट और पहाड़ियां आपका टेस्ट नहीं हैं, तो आप कुछ ऐतिहासिक और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से भरी जगह देख सकते हैं। राजस्थान का लेक सिटी आपको भारत के शाही अतीत जैसे किलों, महलों, हवेलियों और मंदिरों का अनुभव प्रदान करता है। उदयपुर को रोमांटिक शहर भी कहा जाता है, क्योंकि पिछोला झील का सूर्यास्त का नजारा हर किसी को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहां आएंगे तो राजस्थानी थाली और दाल बाटी चूरमा को टेस्ट करना बिल्कुल न भूलें।

ऋषिकेश : ऋषिकेश का नाम लेते ही दिमाग में सबसे पहले रिवर राफ्टिंग एक्टिविटी दिखाई देने लगती है, तो अगर आप भी कुछ मजेदार चीजें करने की सोच रहे हैं, तो क्यों न पहले शुरुआत राफ्टिंग से की जाए। राफ्टिंग के अलावा यहां बंजी जंपिंग, रिवर राफ्टिंग, माउंटेन बाइकिंग, कैंपिंग, क्लिफ जंपिंग, फ्लाइंग फॉक्स, बॉडी सर्फिंग, रैपलिंग, ट्रेकिंग, पैराग्लाइडिंग और कयाकिंग गतिविधि भी कराई जाती है। यहां की प्रसिद्ध गंगा आरती में भी शामिल होना बिल्कुल न भूलें।

केरल : केरल जैसे खूबसूरत देश को ''भगवान का देश'' भी कहा जाता है। आप केरल के पारंपरिक भोजन का आनंद ले सकते हैं और समुद्र तट पर लंबी सैर के लिए जा सकते हैं। यहां की हॉउस बोट एक्टिविटी में भी शामिल हो सकते हैं। साथ ही खूसबूरत सूर्यास्त का मजा लेना बिल्कुल न भूलें।

चोरी की सनसनीखेज वारदात : मां-बेटे को बंधक बनाकर खिड़की के रास्ते घुसे चोर, लाखों के जेवरात सहित नकदी पार

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। दांतारामगढ़ थाना क्षेत्र के दांता कस्बा स्थित रावोरियों की ढाणी में शुक्रवार रात चोरों ने दुस्साहस दिखाते हुए एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया। यहाँ बदमाशों ने एक घर में मां और बेटे को बंधक बनाकर लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषणों सहित पांच लाख रुपए नकदी व दो लाख रुपए के कीमती कपड़े पर हाथ साफ कर दिया। वहीं फूलचंद के बेटे के साथ मारपीट कर एक आई फोन भी छीनकर ले गये। रावोरिया की ढाणी में स्थित फूलचंद कुमावत के मकान में हुई इस चोरी की घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है, चोरी की वारदात को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

खिड़की तोड़कर घर में घुसे बदमाश, दो जगहों पर हुए असफल

प्राप्त जानकारी के अनुसार रात करीब 2 बजे चोरों ने रावोरियों की ढाणी में धावा बोला। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार मुख्य वारदात से पहले बदमाशों ने ढाणी के दो अन्य मकानों में चोरी करने का प्रयास किया था, लेकिन वे वहां असफल रहे। इसके बाद चोरों ने स्थानीय निवासी फूलचंद कुमावत के मकान की खिड़की तोड़ी और अंदर दाखिल हो गए। जानकारी सूत्रों व सीसीटीवी फुटेज के अनुसार लगभग छह बदमाशों ने चोरी को अंजाम दिया।

सीसीटीवी फुटेज, डॉग स्क्वायड और एफएसएल टीमों ने सैंपल लिए

सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना किया और ढाणी व आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी फुटेज निकालकर जांच शुरू कर दी है। वारदात के बाद पुलिस प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए साक्ष्य जुटाने और चोरों का सुराग लगाने के लिए डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक साइंस लैब की स्पेशल टीमों को मौके पर बुलाकर सैंपल लिए। स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द चोरों का पता लगाकर गिरफ्तारी की मांग की है।

मां-बेटे को बनाया बंधक अलमारियों से उड़ाए गहने व नगदी

मकान के भीतर घुसने के बाद बदमाशों ने घर में सो रहे मां और बेटे को हथियारों के दम पर बंधक बना लिया ताकि वे शोर न मचा सकें। इसके बाद चोरों ने अलमारियों के ताले खोले और उसमें रखे सोने चांदी के आभूषण सहित नगदी समेट कर रफूचक्कर हो गए। जानकारी सूत्रों के अनुसार इस सनसनीखेज वारदात के दौरान और बाद में कस्बेवासियों ने आपातकालीन नंबर 112 और स्थानीय पुलिस को लगातार कई फोन किए।

अंत में ग्रामीणों द्वारा पुलिस थाने पहुंचकर घटना की लिखित व मौखिक सूचना दी, जिसमें लाखों रुपये के सोने.चांदी के आभूषणों सहित पांच लाख रुपए नगदी व दो लाख रुपए के कीमती कपड़े चोरी होना बताया गया। जानकार सूत्रों के अनुसार फूलचंद कुमावत ने अपने बेटे और बेटी की शादी की तैयारी के लिए गहने व नकदी सहित कीमती कपड़े आलमारी में रख रखे थे।

कलश यात्रा निकाल श्रीराम कथा का शुभारंभ

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। खाचरियावास में 108 संकल्प कथा यात्रा की 65वीं श्रीराम कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। चतुर्दास महाराज एवं कथा व्यास पारसमणि महाराज के सानिध्य में श्री गोपीनाथ मंदिर से कलश यात्रा रवाना हुई। मुख्य यजमान वासुदेव शर्मा एवं गजानंद सोनी की अगुवाई में निकली यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाएं सिर पर कलश धारण कर भजन-कीर्तन और जय श्रीराम के जयघोष के साथ कस्बे के प्रमुख मार्गों से होते हुए कथा स्थल पूर्व उपराष्ट्रपति स्वर्गीय भैरों सिंह शेखावत द्वारा निर्मित मनोकामना पूर्तेश्वर महामृत्युंजय महादेव शिव मंदिर पहुंचीं। यहां व्यास पीठ पूजन के बाद कथा व्यास पारसमणि महाराज ने श्रीराम कथा का रसपान कराया। कथा का आयोजन 19 सितंबर तक प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 4 बजे तक होगा। इस दौरान शिव विवाह, राम जन्म, राम विवाह, राजतिलक सहित विभिन्न धार्मिक प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। आयोजन के दौरान हवन, महाप्रसादी एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी होंगे।

कल मनेगी गणेश चतुर्थी, बन रहा दुर्लभ संयोग

निसं

जयपुर (नवयत्न)। गुलाबी नगरी छोटीकाशी में गणेश चतुर्थी का पर्व सोमवार, 14 सितंबर को विभिन्न मांगलिक योगों के अद्भुत संयोग में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसके साथ ही दस दिवसीय गणेशोत्सव का आगाज होगा, जिसका समापन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर गणपति विसर्जन के साथ होगा। राजधानी के मोती डूंगरी गणेश जी, गढ़ गणेश, नहर के गणेश जी, ध्वजाधीश गणेश और लाल डूंगरी गणेश मंदिर सहित सभी प्रमुख मंदिरों में प्रथम पूज्य के विशेष पूजन, श्रृंगार और भोग की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। शहर भर में महाआरती, जागरण और शोभायात्राओं के आयोजन किए जाएंगे। साथ ही परकोटे के सभी प्रमुख द्वारों पर विराजित गणेशजी का भी विशेष पूजन होगा। पंडित राजेश कुमार शर्मा के अनुसार पंचांग के तहत चतुर्थी तिथि 14 सितंबर को सुबह 7:06 बजे से शुरू होकर 15 सितंबर सुबह 7:44 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के मान से गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को ही मनाई जाएगी। सुबह 11:08 बजे से दोपहर 1:36 बजे तक मध्याह्न काल, ब्रह्म योग दोपहर 12:47 बजे तक, रवि योग और स्वाति नक्षत्र का शुभ संयोग। इस बार गणेश चतुर्थी और हरतालिका तीज एक ही दिन पड़ रहे हैं। तृतीया तिथि सुबह 7:06 बजे समाप्त होगी, जिसके बाद चतुर्थी शुरू होगी। इस दिन महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा कर हरतालिका तीज का व्रत रखेंगी, वहीं शुभ मुहूर्त में घरों और सार्वजनिक पंडालों में रिद्धि-सिद्धि के दाता की स्थापना की जाएगी। सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होने और इसी दिन उनके पुत्र श्री गणेश की चतुर्थी पड़ने से इस पर्व का धार्मिक महत्व और बढ़ गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार द्वारपाल के रूप में गणपति की स्थापना कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की जाएगी।

कांग्रेस भी करेगी पार्षदों की बाड़ाबंदी, बोर्ड बनाने के गणित पर नजर

निसं

जयपुर (नवयत्न)। नगरीय निकाय चुनाव के दूसरे चरण का मतदान खत्म होने के साथ ही कांग्रेस अब बोर्ड बनाने के गणित पर आ गई है। ईवीएम में प्रत्याशियों का भविष्य कैद होने के बाद दोनों दल अपने संभावित विजयी पार्षदों को एकजुट रखने की रणनीति में जुट गए हैं। भाजपा के बाद अब कांग्रेस ने भी जयपुर में संभावित बाड़ाबंदी की तैयारी शुरू कर दी है। शहर कांग्रेस ने शनिवार को रणनीतिक बैठक कर प्रत्याशियों को सुरक्षित रखने और किसी तरह की राजनीतिक सेंधमारी रोकने पर मंथन किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा के आवास पर हुई बैठक में पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, शहर कांग्रेस प्रभारी रोहित बोहरा, विधायक अमीन कागजी, रफीक खान, अर्चना शर्मा, गंगा देवी, पुष्पेंद्र भारद्वाज और विक्रम सिंह शेखावत सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में तय किया गया कि सभी कांग्रेस प्रत्याशियों को एकजुट रखने के लिए पार्टी पूरी तरह सतर्क रहेगी। बाड़ाबंदी का अंतिम फैसला शनिवार रात या रविवार सुबह तक होने की संभावना है। पार्टी निर्देश जारी होने के बाद विधायकों और विधानसभा चुनाव लड़ चुके नेताओं को अपने-अपने क्षेत्र के प्रत्याशियों को निर्धारित स्थान तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी जाएगी। बैठक के बाद पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भाजपा पर खरीद-फरोख्त की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास सरकार, पुलिस और पैसा है और कांग्रेस को आशंका है कि चुनाव परिणाम के बाद इनका इस्तेमाल पार्षदों को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने प्रत्याशियों की सुरक्षा के लिए बाड़ाबंदी करेगी और जरूरत पड़ने पर बैठकें व अन्य रणनीतिक गतिविधियां भी होंगी। यदि कांग्रेस की बाड़ाबंदी में भाजपा या पुलिस प्रशासन ने हस्तक्षेप किया और इससे शहर का माहौल बिगड़ा तो इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। खाचरियावास ने जयपुर में कांग्रेस का पूर्ण बहुमत से बोर्ड बनने का दावा करते हुए कहा कि जनता में सरकार के खिलाफ अंडरकरंट है। बेरोजगारी, युवाओं के मुद्दे, सड़क और विकास कार्य चुनाव के प्रमुख मुद्दे रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता की समस्याओं का समाधान करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में यूजीसी भी मुद्दा रहा, जबकि एससी, एसटी, ओबीसी या सामान्य वर्ग के किसी व्यक्ति ने यूजीसी की मांग नहीं की थी। सरकार जातियों के नाम पर लोगों को लड़ाने का प्रयास कर रही है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि जयपुर नगर निगम के सभी 150 कांग्रेस प्रत्याशी पार्टी के साथ मजबूती से खड़े हैं। पार्टी के अनुसार प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल है और कांग्रेस पूर्ण बहुमत से बोर्ड बनाने की स्थिति में है। सभी विधायकों और विधानसभा चुनाव लड़ चुके नेताओं को अपने-अपने क्षेत्रों के प्रत्याशियों के संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं।

पूर्व सरपंच बुरड़क की छठी पुण्यतिथि पर गौशाला में गोसेवा कर दी श्रद्धांजलि

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। सुलियावास के पूर्व सरपंच स्व. तुलसीराम बुरड़क की छठी पुण्यतिथि पर श्री गोपाल गौशाला सुलियावास में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्व. बुरड़क के परिवारजनों द्वारा गोसवामणी कर गौमाता को दलिया व लापसी खिलाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्व. तुलसीराम बुरड़क के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने स्व. बुरड़क के जीवन एवं कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे सरल स्वभाव,

नेकदिल, मृदुभाषी एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। राजनीतिक एवं निजी जीवन में उनके सभी लोगों से मधुर संबंध रहे। वक्ताओं ने कहा कि अपने सरपंच कार्यकाल के दौरान स्व. बुरड़क ने ग्राम पंचायत क्षेत्र में अनेक विकास कार्य करवाए, जिन्हें आज भी ग्रामीण याद करते हैं। इसके बाद बुरड़क स्मारक भर की ढाणी स्थित उनकी मूर्ति पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्य्र म में श्री गोपाल गौशाला अध्यक्ष शंकरलाल शर्मा, पूर्व एसीबीईओ केसर सिंह खीचड़, रूपगढ़ पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि बजरंग जाटोलिया, पूर्व पंचायत समिति सदस्य गोपाल बाजड़ोलिया, पूर्व सरपंच झाबरमल राड़, रूपगढ़ कांग्रेस मंडल अध्यक्ष श्रवण तिवाड़ी, पूर्व बीसीएमओ डॉ अश्वनी कुमार स्वामी, भंवरलाल खीचड़, मूलचंद मंडीवाल, राजकुमार कांटवा, लक्ष्मीनारायण कुमावत, गोपाल मीणा, का. महेश पालीवाल सहित स्व. बुरड़क के पुत्र फूलचंद बुरड़क एवं परिवारजन, गौशाला के पदाधिकारी तथा आसपास के ग्रामीण मौजूद रहे।

बिलोनिया ने विश्व चैंपियनशिप में जीते दो स्वर्ण पदक

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। उपखंड क्षेत्र के रायपुरा गांव की बेटी अर्चना बिलोनिया ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए देश और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 8 से 12 सितम्बर 2026 तक बिश्केक, किर्गिस्तान में आयोजित स्ट्रेंथ लिफ्टिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में अर्चना ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्चना बिलोनिया ने भारत के लिए दो स्वर्ण पदक हासिल किए। उनकी इस उपलब्धि से रायपुरा गांव सहित दांतारामगढ़ क्षेत्र में खुशी का माहौल है। अर्चना की इस शानदार सफलता पर क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। लोगों ने कहा कि अर्चना ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से देश के साथ-साथ दांतारामगढ़ क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। क्षेत्रवासियों ने अर्चना बिलोनिया के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके निरंतर सफलता की कामना की।

आयकर कर्मचारी महासंघ के चुनाव में कॉमरेड कड़वासरा विजयी

श्रीराम तिवाड़ी

नोखा (नवयत्न)। आयकर कर्मचारी महासंघ की बीकानेर शाखा के चुनाव में कॉमरेड विकेश कड़वासरा ने 30 मतों के अंतर से शानदार जीत हासिल की। चुनाव परिणाम की घोषणा चुनाव अधिकारी भरत स्वामी एवं सहायक चुनाव अधिकारी बलदेव सारण ने की। आयकर कर्मचारी महासंघ की बीकानेर शाखा के अंतर्गत आयकर कार्यालय बीकानेर के साथ-साथ नोखा, सूरतगढ़, हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर के कर्मचारी भी शामिल हैं। चुनाव में कुल 142 मतदाता थे, जिनमें से 140 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार मतदान में कर्मचारियों की लगभग शत-प्रतिशत भागीदारी रही। घोषित चुनाव परिणाम के अनुसार कॉमरेड विकेश कड़वासरा ने 85 मत प्राप्त किए और 30 मतों के अंतर से विजयी रहे। उनकी जीत के साथ ही समर्थकों एवं संगठन के सदस्यों में उत्साह का माहौल रहा।

लगातार दूसरी बार मिली जिम्मेदारी

कॉमरेड विकेश कड़वासरा पिछले चार वर्षों से सचिव पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। संगठन में उनके कार्य और सक्रियता को देखते हुए इस बार भी कर्मचारियों ने उन पर विश्वास जताया और भारी मतों से विजयी बनाया। चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद संगठन के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कड़वासरा को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आयकर कर्मचारी महासंघ, जोधपुर प्रभार के संगठन सचिव कॉमरेड नारायण बच्छ एवं संयुक्त सचिव कॉमरेड अंकुश बिश्नोई सहित बीकानेर शाखा के सभी कॉमरेड्स ने कॉमरेड विकेश कड़वासरा को जीत की बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि कड़वासरा आगे भी कर्मचारियों के हितों और संगठन को मजबूत करने के लिए सक्रियता से कार्य करते रहेंगे।

दूध के रेट को लेकर हुए विवाद में कारोबारी पर सात युवकों ने किया हमला

जयपुर (नवयत्न)। कानोता थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात दूध सप्लाई कर घर लौट रहे कारोबारी पर दो बाइकों से आए सात युवकों ने हमला कर दिया। रास्ते में दूध कारोबारी को रोककर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी भागने लगे। लोगों ने एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना रात करीब 10 बजे की है। पुलिस ने मामले में दो युवकों को राउंडअप किया है। थानाधिकारी वीरेंद्र सिंह के अनुसार नायला निवासी राधाकिशन शर्मा शहर में दूध सप्लाई करने के बाद घर लौट रहे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि राधाकिशन और उनके पड़ोसी भी दूध बेचने का काम करते हैं। राधाकिशन 50 रुपए किलो में दूध बेचते हैं, जबकि पड़ोसी पक्ष 60 रुपए किलो में दूध बेचता है। इसी कीमत को लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार पड़ोसी की बेटी ने यह बात अपने परिचित युवक को बताई, जिसके बाद कुछ युवक राधाकिशन के साथ मारपीट करने पहुंचे थे। मौके पर पकड़े गए युवक ने भीड़ को बताया कि सात युवक दो बाइकों से आए थे। उसके अनुसार साथियों ने दूध की टंकियां लेकर जाने वाले व्यक्ति से मारपीट करने की बात कही थी और उन्हें बताया गया था कि दूध कारोबारी करीब साढ़े नौ बजे इस रास्ते से गुजरता है। आरोपी ने यह भी बताया कि साथियों ने इससे पहले आगे चल रही एक गाड़ी में सवार व्यक्ति के साथ भी मारपीट की थी। पकड़े गए युवक ने खुद को गुरदाड़ा फैक्ट्री से आया और टाइल भरने का काम करने वाला बताया। उसने कहा कि वह प्रदीप के कहने पर मौके पर पहुंचा था। इसी दौरान उसके मोबाइल पर वाट्सऐप कॉल आया। भीड़ ने कॉल रिसीव करवाकर सामने वाले से बात करने की कोशिश की। आरोपी ने फोन पर बनाए एक बार यहां आ जाओ कहा। कॉल कटने के बाद उसने बताया कि फेन राहुल बना का था और मोबाइल में उसकी फोटो भी दिखाई। पुलिस द्वारा राउंडअप किए गए दो आरोपियों के मोबाइल की जांच में हथियारों के साथ बनाई गई रील भी मिली है। पुलिस के अनुसार वीडियो में युवक सरिए, डंडे और एयरगन के साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो में हथियार लहराते और गाली देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। पुलिस वीडियो और मोबाइल में मिले अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित राधाकिशन शर्मा की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। एसीपी कानोता हजारी लाल यादव ने बताया कि फिलहाल मामला मारपीट से जुड़ा है। दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। आरोपियों के लूट के इरादे से पहुंचने की आशंका की भी जांच की जा रही है। थानाधिकारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में दूध के रेट को लेकर विवाद सामने आया है। आरोपियों से पूछताछ के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

कल मनाया जाएगा गणेश जन्मोत्सव, 1001 किलो महाभोग होगा अर्पित

श्रीराम तिवाड़ी

नोखा (नवयत्न)। श्री गणेश उत्सव समिति की ओर से श्री गणेश जन्मोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। समिति द्वारा श्री गणेश जन्मोत्सव सोमवार 14 सितंबर को श्री गणेश-हनुमान मंदिर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। समिति के महामंत्री हरिकिशन चांडक ने बताया कि जन्मोत्सव के अवसर पर दोपहर 12:05 बजे पंडित अशोक महाराज द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती करवाई जाएगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। उन्होंने बताया कि श्री गणेश जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर गजानंद महाराज को मोतीचूर के लड्डू और काजू कतली से तैयार 1001 किलो का महाभोग अर्पित किया जाएगा। पूजा-अर्चना के बाद महाभोग का प्रसाद मंदिर में

श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया जाएगा। जन्मोत्सव को लेकर समिति के बाबूलाल तापड़िया, सुरेंद्र तापडिया, रामकिशन तापड़िया, इन्द्रचंद तापड़िया, मनीष तापड़िया, रामस्वरूप भादू सहित नारायण मार्केट के सभी सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं। समिति द्वारा आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

नगरपालिका आम चुनाव
वार्ड 62 की भाग संख्या 23 में पुनर्मतदान आज

जयपुर (नवयत्न)।

नगर निगम जयपुर के वार्ड संख्या 62 के भाग संख्या 23 के मतदान केंद्र राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, कमरा नंबर 4, टीला वाला, सांगानेर पर रविवार, 13 सितंबर को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक पुनर्मतदान कराया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी निकाय एवं जिला कलक्टर सन्देश नायक ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ग्यारह सितंबर को उक्त मतदान केंद्र पर घटित घटना के कारण मतदान प्रक्रिया प्रभावित होने तथा चुनाव की स्वतंत्रता एवं निष्पक्षता पर प्रभाव पड़ने के मद्देनजर पूर्व में हुए मतदान को शून्य घोषित कर पुनर्मतदान के निर्देश पर यह पुनर्मतदान करवाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में 11 सितंबर को हुए मतदान के दौरान मतदाता सूची की विलोपन सूची में अंकित 110 मतदाताओं द्वारा मतदान कर दिए जाने के कारण उक्त बूथ पर मतदान इस सीमा तक संदूषित हुआ है कि चुनाव को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष नहीं माना जा सकता।

इसलिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राजस्थान नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1994 के नियम 55 में प्रदत्त शक्तियों के तहत मतदान को शून्य घोषित किया गया। पुनर्मतदान में केवल उक्त मतदान केंद्र के लिए अधिकृत मतदाता ही मतदान कर सकेंगे।

कल गूंजेगा गणेश महोत्सव का उल्लास

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। श्री गणेश नवयुवक मंडल दांता के तत्वावधान में सोमवार को श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम बाग वाली बगीची दांता में दोपहर सवा 12 बजे से आयोजित होगा। इस दौरान महाआरती एवं 1008 लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। महोत्सव के तहत दोपहर सवा 3 बजे बाग वाली बगीची से विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में नासिक बैंड सहित विभिन्न आकर्षण लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। कार्यक्रम में गौरिल्ला, कच्छी घोड़ी, लम्बू भैन और मानव बंदर की प्रस्तुतियां भी शामिल रहेंगी।

आयोजक मंडल ने गणेश महोत्सव एवं शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं से शामिल होने का आह्वान किया है।

सुरसुरा से बाबा की अखंड ज्योत लेकर पहुंचे श्रद्धालुओं का ग्रामीणों ने किया स्वागत

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। वीर तेजाजी मंदिर चक में 21 सितंबर को होने वाले मेले और भजन संध्या को लेकर शनिवार को सुरसुरा से बाबा वीर तेजाजी की अखंड ज्योत लेकर श्रद्धालु गांव पहुंचे। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। अखंड ज्योत को वीर तेजाजी मंदिर में विधिवत स्थापित किया गया। आयोजन के तहत 21 सितंबर को

सुबह हवन, दोपहर में भंडारा और शाम को विशाल भजन संध्या होगी। भजन संध्या में राजस्थान के सुप्रसिद्ध गायक बंटी नागौरी, निरमा सारस्वत, सुरेंद्र खरनाल, चीकू राजस्थानी और सोनू नागौरी भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। वहीं अंतर्राष्ट्रीय डांसर राजेंद्र राठौड़ और अनु सोलंकी नृत्य प्रस्तुतियां देंगे। आयोजन की तैयारियों में महिपाल सामोता, मोहनलाल प्रजापत, नरेंद्र बिजारनिया, राधेश्याम, लालचंद, भगवान सहाय, ओमप्रकाश, सुभाष सहित वीर तेजाजी नवयुवक मंडल चक के सदस्य जुटे हुए हैं।

नाम परिवर्तन

मैं सुशीला देवी पत्नी सांवर मल सैनी निवासी वार्ड नंबर 08 ढाणी पटिया वाली दायरा खंडेला तहसील खंडेला जिला सीकर (राज.)। मेरी पुत्री के आधार कार्ड नंबर 8053-8839-4716 में उसका नाम अन्नू सैनी (ANNU SAINI) व जन्मतिथि 14-01-2008 दर्ज है। जबकि उसका सही नाम मधु सैनी (MADHU SAINI) व जन्मतिथि 14-11-2008 है भविष्य में इन्हें ही सही माना जावें व आधार कार्ड में दुरूस्त करें।

गणेश मंदिरों में आज सिंजारे की धूम : मेहंदी की खुशबू से महकेगा दरबार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। गणेश चतुर्थी को लेकर राजधानी के प्रमुख गणेश मंदिरों में धार्मिक आयोजनों की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 13 से 15 सितंबर तक मंदिरों में सिंजारा, विशेष शृंगार, अभिषेक, हवन, भोग, भजन-कीर्तन और शोभायात्राओं का आयोजन होगा। मोतीडूंगरी में 3500 किलो सोजत की मेहंदी से सिंजारा होगा, परकोटा गणेश मंदिर में 21 हजार लड्डुओं की झांकी सजाई गई। वहीं गढ़ गणेश में गणेश चतुर्थी पर साल में एक बार होने वाले बाल स्वरूप के दर्शन होंगे।

मोतीडूंगरी में 3500 किलो मेहंदी

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में 13 सितंबर को मेहंदी पूजन व सिंजारा महोत्सव होगा। भगवान को करीब 3500 किलो सोजत की मेहंदी अर्पित की जाएगी। रात 7:30 बजे पांच स्थानों से मेहंदी प्रसाद बांटा जाएगा। महिलाओं और कन्याओं के लिए अलग व्यवस्था रहेगी। गणेशजी को विशेष पोशाक, स्वर्ण मुकुट और नौलखा हार पहनाया जाएगा। मोती, सोना, पन्ना और

माणक से सजे हार को महंत परिवार ने तीन माह में तैयार किया है। 14 सितंबर को सुबह 5 से रात 11ण्40 बजे तक दर्शन होंगे।

परकोटा में 21 हजार लड्डुओं की झांकी

चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर में महंत अमित शर्मा के सान्निध्य में तीन दिवसीय गणेश महोत्सव के तहत 21 हजार लड्डुओं की भव्य झांकी सजाई गई। भगवान को लड्डुओं का भोग अर्पित कर विशेष दुर्वा झांकी सजाई गई। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। 13 सितंबर को 111 किलो मेहंदी अर्पित कर सिंजारा मनाया जाएगा। 14 सितंबर को सोने के वर्क से सजे गणेशजी को छप्पन भोग लगाया जाएगा तथा हवन, 108 गणपति अथर्वशीर्ष पाठ, दीपदान और भजन-कीर्तन होंगे।

बंगाली बाबा में 2500 किलो लड्डुओं की प्रसादी दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर में रविवार से दो दिवसीय महोत्सव शुरू होगा। सुबह 9 बजे पंचामृत अभिषेक, 10 बजे सिंदूर अर्पण और 11 बजे सौभाग्य देवी पूजन, चन्द्रार्चन, मेहंदी व सौभाग्य अर्चन होगा। भक्तों को मेहंदी वितरित की जाएगी और महिलाओं के लिए मेहंदी लगाने की व्यवस्था रहेगी। 14 सितंबर को सुबह 5 बजे मोदक अर्पण, दोपहर 1 बजे महाआरती व बैंड वादन तथा शाम 6 बजे भजन संध्या होगी। 2500 किलो लड्डुओं की प्रसादी तैयार होगी, जिसमें 1000 किलो चीनी, 400 किलो घी और 400 किलो बेसन लगेगा।

नहर के गणेशजी में मोदकों की झांकी

ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित दाहिनी सूंड दक्षिणमुखी श्री नहर के गणेशजी मंदिर में 13 सितंबर को शाम 5 बजे सिंजारा होगा। गणपति को हाथ से बनी लहरिया पोशाक व साफा पहनाकर असंख्य मोदकों की झांकी सजाई जाएगी। 5:30 बजे से नवीन चौले का सिंदूर और सिंजारे की मेहंदी बांटी जाएगी। प्रेम भाया मंडल भजन प्रस्तुत करेगा। 14 सितंबर को सुबह 5 बजे मंगला आरती और 15 सितंबर को ऋषि पंचमी का आयोजन होगा।

श्वेत सिद्धिविनायक में महायज्ञ

सूरजपोल बाजार स्थित श्वेत सिद्धिविनायक मंदिर में 13 सितंबर को महिलाओं की ओर से सिंजारा महोत्सव होगा। 14 सितंबर को सुबह 5:15 से दोपहर 1:15 बजे तक पूजा व दुग्धाभिषेक के बाद पंचामृत अभिषेक और गणपति महायज्ञ होगा। पूर्णाहुति के बाद शाम को विशेष शृंगार झांकी और भक्ति संध्या होगी। जय गणेश मंदिर में ऋतु फल-मेवों की झांकी नाहरगढ़ रोड स्थित जय गणेश मंदिर में तीन दिवसीय महोत्सव के तहत 12 सितंबर को हस्त नक्षत्र और विजय मुहूर्त में भगवान गणेश का गाय के दूध, तिलों के जल, पंचामृत और विभिन्न रसों से अभिषेक किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा हुई। आचार्य पं. अनूप जोशी ने बताया कि 13 सितंबर को सिंजारा उत्सव में भक्त गणेशजी को मेहंदी अर्पित करेंगे और श्रद्धालुओं को भी मेहंदी लगाई जाएगी। गणपति सहस्रनामावली के पाठ के बीच लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। 14 सितंबर को मुख्य आयोजन में गणेशजी को नूतन पोशाक धारण कराकर मानक, मोती और पन्ना का कंठहार पहनाया जाएगा। विशेष पूजन व शृंगार के बाद ऋतु फल, मेवे और मोदकों की भव्य झांकी सजाई जाएगी। महोत्सव के दौरान मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति का माहौल रहेगा। गणेश चतुर्थी पर शहर के इन प्रमुख मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। विशेष पूजन, शृंगार, भोग, आरती और धार्मिक अनुष्ठानों से राजधानी गणपति भक्ति में रंगी नजर आएगी।

गढ़ गणेश में बाल स्वरूप के दर्शन

ब्रह्मपुरी स्थित गढ़ गणेश मंदिर में 13 से 15 सितंबर तक महा गणपति जन्मोत्सव होगा। महंत प्रदीप औदीच्य के सान्निध्य में 13 सितंबर को सिंजारा, मेहंदी अर्पण, गुड़धानी व डंके अर्पित किए जाएंगे। शाम 4 से रात 8 बजे तक सिद्ध मेहंदी वितरित होगी। 14 सितंबर को सुबह 4 बजे पंचामृत अभिषेक, सुबह 5 बजे मंगला आरती, सहस्र दुर्वाचन और एक हजार मोदकों का अर्पण होगा। दोपहर 12 बजे भोग आरती के बाद सहस्र नामावली से हवन, शाम 7 बजे संध्या आरती और रात 12 बजे शयन आरती होगी। इस दिन गणपति बिना सूंड और बिना वस्त्र के दुर्लभ बाल स्वरूप में दर्शन देंगे। 15 सितंबर को मेला और शोभायात्रा निकलेगी। मंदिर में बैरिकेडिंग, सुरक्षा कर्मियों और 24 घंटे सीसीटीवी की व्यवस्था रहेगी। वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों के लिए अलग व्यवस्था होगी।

खोले के हनुमानजी में 11 हजार मोदक

श्री खोले के हनुमानजी मंदिर में नृत्यगोपाल गणेशजी का सिंजारा वैदिक मंत्रोच्चारण से होगा और मेहंदी प्रसाद बांटा जाएगा। गणेश चतुर्थी पर 51 किलो दूध से पंचामृत अभिषेक, नवग्रह व मातृका पूजन के बाद 111 किलो लड्डुओं की झांकी और महाआरती होगी। भगवान को 11 हजार विभिन्न प्रकार के मोदकों का भोग लगेगा, जिनमें 1100 मोदक 1008 नामावली से अभिमंत्रित होंगे। 15 सितंबर को ऋषि पंचमी पर वेद विद्यालय में नवप्रवेशित वैदिक बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार, हेमाद्रि संकल्प, दशविध स्नान, ऋषि तर्पण, गायत्री पूजन, हवन और नवीन यज्ञोपवीत धारण होगा।

एथर ने जयपुर में पेश किया कोणार्क इलेक्ट्रिक स्कूटर

निसं

जयपुर (नवयत्न)। एथर एनर्जी ने शनिवार को जयपुर में नया इलेक्ट्रिक स्कूटर कोणार्क पेश किया। कंपनी के नए ईएल प्लेटफॉर्म पर तैयार यह स्कूटर एस और जैड सीरीज में छह वैरिएंट में उपलब्ध है, और 200 किमी तक की आईडीसी रेंज देता है। इसकी विशेष शुरुआती कीमत 99,999 रुपए एक्स-शोरूम जयपुर, रखी गई है। चुनिंदा वैरिएंट की डिलीवरी चरणबद्ध रूप से शुरू की जा रही है। कोणार्क का सर्विस अंतराल 10 हजार किमी या एक वर्ष है। सभी वैरिएंट में पांचवीं पीढ़ी की बेडरॉक बैटरी दी गई है, जिस पर 10 साल या एक लाख किमी की वारंटी और वारंटी अवधि तक कम से कम 70 प्रतिशत बैटरी स्वास्थ्य की गारंटी है। स्कूटर में 14 इंच फ्रंट और 12 इंच रियर अलॉय व्हील, 1352 मिमी व्हीलबेस, लॉन्ग-ट्रैवल सस्पेंशनए मेटल रियर पैनल और स्टील यूनिबॉडी चेसिस दिए गए हैं। एईबीएसए रिजनरेटिव ब्रेकिंग, मैजिककी, ऑटोपॉप और एयरवॉक जैसे फीचर्स भी हैं। 450 वॉट के वैकल्पिक चार्जर को इन.बिल्ट 450 वॉट चार्जर से जोड़कर 900 वॉट की संयुक्त चार्जिंग की जा सकती है। राजस्थान में एथर की बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 9:7 से बढ़कर वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 11:8 प्रतिशत हो गई। इस दौरान कंपनी ने सालाना आधार पर 98 प्रतिशत वृद्धि के साथ 3,499 स्कूटर बेचे। राज्य में 38 एक्सपीरियंस सेंटर, 34 सर्विस सेंटर और 375 से अधिक एलईसीसीएस फास्ट चार्जिंग पॉइंट हैं। जयपुर में पांच सर्विस सेंटर हैं। एथर एनर्जी के हेड ऑफ मार्केटिंग सौरभ शर्मा ने कहा कि कोणार्क का उद्देश्य इलेक्ट्रिक स्कूटर को मुख्यधारा तक पहुंचाना और राजस्थान में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को गति देना है। राजस्थान में कंपनी की 450 सीरीज और रिज्टा भी उपलब्ध हैं।

शिक्षक निभाते हैं मार्गदर्शक की अहम भूमिका : श्योराण

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान आईसीएसआई के जयपुर चैप्टर की ओर से टोंक रोड स्थित होटल वरिसा में टीचर्स वीक के तहत एम्पावरिंग एजुकेटर्स विषय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज और स्कूल स्तर के शिक्षकों के लिए अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि राजेश मंगल, राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, गेस्ट ऑफ ऑनर प्रो. एस.सी. जैन, कुलपति, महर्षि अरविंद यूनिवर्सिटीए जयपुर तथा विशेष अतिथि डॉ. एम.एल. शर्मा मौजूद रहे। पहले सत्र में विभिन्न कॉलेजों के प्रोफेसर और व्याख्याताओं ने भाग लिया, जबकि दूसरे सत्र में स्कूलों के प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य और शिक्षक शामिल हुए। आईसीएसआई जयपुर चैप्टर के चेयरमैन सीएस सुमित कुमार श्योराण ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ सही मार्गदर्शन देना शिक्षक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों को कंपनी सचिव सीएस पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी देने और इसके बेहतर करियर अवसरों के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम के समापन पर चैप्टर सचिव सीएस वरुण मेहरा ने अतिथियों और शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। प्रबंध समिति के सदस्य रजत कुमार गोयल भी मौजूद रहे।

कल भवानी निकेतन के फार्मेसी कॉलेज परिसर में होगी मतगणना

निसं

जयपुर (नवयत्न)। नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 के अंतर्गत जयपुर जिले में दो चरणों में हुए निकाय चुनाव की मतगणना सोमवार 14 सितंबर प्रात: 8 बजे से श्री भवानी निकेतन फार्मेसी कॉलेज परिसर में होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी म्युनिसिपल और कलेक्टर संदेश नायक ने बताया कि मतगणना की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। सभी मतदान कार्मिकों को पूर्ण तैयारी के साथ प्रात: 7 बजे मतगणना केंद्र में पहुंचने के निर्देश प्रदान हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना केंद्र पर अधिकृत प्रवेश पत्र धारी को ही प्रवेश दिया जाएगा। यहां तक की काउंटिंग एजेंट को भी बिना अधिकृत प्रवेश पत्र के प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जिला निर्वाचन नियोजन अधिकारी ने बताया कि मतगणना वार्ड बार एवं आरो वार होगी। थोड़े-थोड़े अंतराल में 15-15 वार्डो का परिणाम एक साथ आएगा। मतगणना का परिणाम उस वार्ड के बूथों की संख्या पर निर्भर करेगा। कम बूथों वाले वर्ड का परिणाम पहले एवं अधिक बूथों वाले वार्ड का परिणाम कुछ समय उपरांत आएगा। जिला नियोजन अधिकारी ने मतगणना कार्य से जुड़े सभी कार्मिकों को शुभकामना प्रेषित करते हुए इस पुण्य कार्य को पूर्ण निष्ठा ईमानदारी एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न करने के निर्देश प्रदान किए हैं।

मोदी के 25 साल के सेवाकाल की गाथा जन-जन तक पहुंचाएगी भाजपा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा प्रदेशभर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान-जन सेवा ही प्रभु सेवा चलाएगी। भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को हुई प्रदेश कार्यशाला में अभियान की तैयारियो, कार्यक्रमों और संगठनात्मक रूपरेखा पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति को सेवा का माध्यम मानकर गरीब, युवा, महिला और किसान के उत्थान तथा देश का गौरव बढ़ाने का कार्य किया है। वर्ष 2014 के बाद भारत में व्यापक परिवर्तन आया है। अभियान के जरिए विकास और जनकल्याण की उपलब्धियों को नई पीढ़ी और आमजन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा यात्रा को जन.जन तक पहुंचाया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि अभियान के दौरान प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवाकाल और उल्लेखनीय कार्यों को प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। अभियान की क्षेत्रीय प्रभारी एवं राष्ट्रीय मंत्री डॉ. कविता पाटीदार ने बताया कि अभियान के तहत 13 प्रकल्पों में कार्यक्रम होंगे। इनमें आशीर्वाद का दीया, सपनों का भारत-सेवा चित्र, नमो सेवा गाथा-सेवा स्मरण, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव कीए सेवा ज्योति यात्रा, वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, सेवा के रंगकृराष्ट्र के संग, जन सेवा महाकुंभ, रक्तदान महादान और विकसित भारत संकल्प यात्रा शामिल हैं। कार्यक्रम प्रदेश से लेकर जिला, मंडल और बूथ स्तर तक होंगे। इस अभियान की शुरुआत 17 सितंबर शाम 7 बजे आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम से होगी। इसके तहत विशेष रूप से केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के घरों में दीप जलाए जाएंगे। 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक स्कूलों में चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी। नमो सेवा गाथा में नुक्कड़ नाटक, आंगन का उत्सव में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम व अभिनंदन तथा कहानी बदलाव की में जनकल्याणकारी कार्यों और बदलावों को सार्वजनिक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा के तहत पवित्र नदियों के जल से हाटकेश्वर महादेव और काशी विश्वनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। अन्य प्रकल्पों के माध्यम से भी प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवा एवं जनहितकारी कार्यों को जन.जन तक पहुंचाया जाएगा। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने कहा कि अभियान के लिए प्रदेश से बूथ स्तर तक टोलियां बनाकर कार्य किया जाएगा। मंत्रियों, संगठन पदाधिकारियों और संबंधित जिलों के सदस्यों को विभिन्न अभियानों की जिम्मेदारी दी गई है। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और दिया कुमारी सहित कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर, जोगाराम कुमावत, मंजू बाघमार, सुमित गोदारा, संजय शर्मा, सुरेश रावत, अविनाश गहलोत, गौतम दक और हेमंत मीणा सहित प्रदेश पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस कार्यशाला में मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, सांसद एवं वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा के राष्ट्रीय प्रभारी वी.डी. शर्मा तथा उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा मौजूद रहे। संचालन भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने किया। प्रदेश संयोजक एवं महामंत्री कैलाश मेघवाल ने प्रस्तावना रखी और महामंत्री डॉ. मिथिलेश गौतम ने आभार जताया।

भगवान श्रीराम ने प्रेमवश शबरी के झूठे बेर खाए : कृष्ण शास्त्री

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। गणेश चतुर्थी के उपलक्ष में श्रीमाधोपुर नगर के पंचावाली फाटक स्थित गणेश मंदिर प्रांगण में चल रही संगीत मय श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास आचार्य संदीप कृष्ण शास्त्री महाराज द्वारा कथा में प्रभु राम की शबरी पर कृपा और नवधा भक्ति का उपदेश राम और सुग्रीव जी की मित्रता तथा हनुमत चरित्र की कथा सुनाते हुए कहा कि प्रभु केवल और केवल प्रेम और भाव के भूखे हैं जहां प्रेम होता है वहां परमात्मा स्वयं खींचे चले आते हैं। जिस प्रकार से शबरी के प्रेम के कारण परमात्मा वहां पर आए और उसकी कुटिया में आकर के उसके यहां पर जूंठे बेरो को खाया, हनुमत चरित्र के माध्यम से महाराज ने बताया कि जिस प्रकार से हनुमंत लाल जी अनंत बलवान और विद्यमान होते हुए भी विनम्र और सीलवान है। इसी प्रकार से जीवन में कभी भी अहंकार किसी भी बात का नहीं करना चाहिए जो व्यक्ति विनम्र और सदाचारी होता है वही जीवन में उन्नति की ओर अग्रसर होता है और साथ ही यह भी बताया कि किसी भी कार्य को करने से पहले एक बार विचार अवश्य करना चाहिए विचार पूर्वक कार्य करने पर ही कार्य में सफलता मिलती है। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य के रूप में बाबूलाल शर्मा, छाजूराम खेड़ीवाल, महावीर कुमावत, जटाशंकर व्यास, आत्माराम, राम गोपा, दुर्गा लाल, अमित, सोनू, मोनू सहित कथा में उपस्थित सभी भक्तों ने खूब आनंद लिया और भाव विभोर होकर के कथा का श्रवण किया। दूर-दूर से कथा श्रवण के लिए महिलाएं और पुरुष आ रहे हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन श्रद्धालुओं की मौतए

निसं

चूरू (नवयत्न)। जिले के सालासर मंदिर में दर्शन के लिए पैदल जा रहे श्रद्धालुओं के जत्थे में तीन श्रद्धालुओं की देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई। सालासर थानाधिकारी शंकरलाल ने बताया कि हादसा शुक्रवार देर रात करीब साढ़े ग्यारह बजे सालासर से एक किलोमीटर दूर संगरिया किशनगढ़ स्टेट हाईवे पर हुआ। उन्होंने बताया कि मृतक जायल निवासी राजेश भार्गव, नटवर भार्गव और विक्रम भार्गव थे। जानकारी के अनुसारए अस्सी लोगों का एक ग्रुप जायल गांव से सालासर मंदिर में दर्शन के लिए दस सितंबर को पैदल रवाना हुआ था। रात को सभी लोग गन्नेड़ी गांव के पास आराम करने के लिए रुक गए लेकिन राजेश भार्गव, नटवर भार्गव, विक्रम भार्गव तीनों अपने ग्रुप के लोगों के साथ आराम के लिए नहीं रुके और सालासर में मंदिर दर्शन के लिए रवाना हो गए। करीबन 11:30 बजे अज्ञात वाहन ने तीनों को टक्कर मार दी, जिससे तीनों की मौत हो गई। सूचना के बाद सालासर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को राजकीय अस्पताल में लाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

नगर निगम चुनाव की मतगणना से पहले भाजपा ने की प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। नगर निगम चुनाव की मतगणना से पहले भाजपा ने अपने पार्षद प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी शुरू कर दी है। शनिवार दोपहर भाजपा शहर कार्यालय पहुंचे प्रत्याशियों को बसों के जरिए एक रिसॉर्ट में भेजा गया। पार्टी ने प्रत्याशियों को 22 सितंबर तक का सामान साथ लाने के निर्देश दिए थे। प्रत्याशियों को चार-पांच दिन एक साथ रखने की बात कही गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार मतगणना के बाद बोर्ड गठन तक संभावित विजयी प्रत्याशियों को एकजुट रखना इस कवायद का प्रमुख उद्देश्य है। जयपुर के अलावा उदयपुर सहित प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी प्रत्याशियों को प्रशिक्षण शिविर के नाम पर एकजुट रखने की रणनीति बनाई गई है। भाजपा ने फोन कर सभी पार्षद प्रत्याशियों को प्रशिक्षण शिविर की जानकारी दी और शनिवार दोपहर 12 बजे शहर कार्यालय पहुंचने को कहा। तय समय पर प्रत्याशी कार्यालय पहुंचे, जहां से सांगानेर, विद्याधरनगर और आमेर सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रत्याशियों की बसें रवाना की गईं। वार्ड 88 की प्रत्याशी शशि मिश्रा अपने पांच वर्षीय बेटे के साथ, जबकि वार्ड 143 की निधि सैन दो माह के बच्चे के साथ रवाना हुई। भाजपा शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि सभी प्रत्याशी एक जगह परिवार की तरह रहेंगे। उन्हें पार्टी की रीति-नीति, 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य और जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के तरीके के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। वरिष्ठ नेता भी शिविर में पहुंचकर प्रशिक्षण देंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी में प्रशिक्षण की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है और यह उसी का हिस्सा है। 22 सितंबर तक रुकने के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी का जो आदेश होगा, उसका पालन किया जाएगा। भाजपा की रणनीति खासतौर पर उन निकायों को लेकर है, जहां मुकाबला करीबी रहने की संभावना है। नतीजों के बाद बहुमत के लिए कुछ सीटों की जरूरत पड़ने पर दूसरे दलों के पार्षदों से संपर्क की संभावना को देखते हुए पार्टी अपने संभावित विजेताओं को एकजुट रखना चाहती है। भाजपा और कांग्रेस दोनों की नजर संभावित विजयी निर्दलीय प्रत्याशियों पर भी है। स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने की स्थिति में निर्दलीय पार्षद बोर्ड गठन में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। 14 सितंबर को मतगणना के बाद भाजपा और कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट होगी। इसके बाद 21 सितंबर को महापौर और 22 सितंबर को उप महापौर का चुनाव होगा। ऐसे में मतगणना से लेकर बोर्ड गठन तक का समय दोनों दलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पीसफूल योगा टूर्नामेंट का हुआ सफलतापूर्वक आयोजन

निसं

तारानगर (नवयत्न)। पीसफुल योगा जयपुर की ओर से तीसरा पीसफुल योगा टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ राजीव पचार एडिशनल कमिश्नर जयपुर, नरेन्द्र वर्मा एडिशनल कलेक्टर जयपुर, योगगुरु ढाका राम गुरुजी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में टूर्नामेंट के ऑर्गेनाइजर एवं पीसफुल योगा संस्थान के फाउंडर श्याम मुंडोतिया तथा डायरेक्टर शंकर मुंडोतिया भी उपस्थित रहे। साथ ही ऑर्गेनाइजिंग सचिव राजेश सैनी की भी महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। इस टूर्नामेंट में विभिन्न स्कूलों एवं योग संस्थाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने अपनी योग प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना, बच्चों एवं युवाओं को योग के क्षेत्र में प्रोत्साहित करना तथा योग को स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा बनाना है।

सभी मुख्य अतिथियों, आयोजकों, स्कूलों, योग संस्थानों, प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों का पीसफुल योगा जयपुर की ओर से हार्दिक आभार एवं धन्यवाद दिया गया।

खेल-खेल में छात्र के हाथों पर सैनिटाइजर डालकर लगाई आग

निसं

जयपुर (नवयत्न)। कालवाड़ थाना क्षेत्र स्थित एक संस्कृत स्कूल में शनिवार को लंच टाइम के दौरान खेल-खेल में छठी कक्षा के छात्र के साथ बड़ा हादसा हो गया। आरोप है कि दो छात्रों ने उसके दोनों हाथों पर सैनिटाइजर डालकर माचिस की तीली से आग लगा दी।

देखते ही देखते छात्र के हाथ आग की लपटों से घिर गए। आग लगने से घबरा, छात्र ने पहले दोनों हाथों को आपस में रगड़कर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग नहीं बुझी। इसके बाद उसने जलते हाथ कपड़ों पर रगड़ दिए, जिससे शर्ट ने भी आग पकड़ ली।

छात्र के कपड़ों में आग लगते ही आसपास मौजूद अन्य छात्र मदद के लिए दौड़े और उसकी शर्ट खोलकर आग बुझाई। हादसे में छात्र के हाथ सहित शरीर के कुछ हिस्से झुलस गए।

घटना के बाद स्कूल में हड़कंप मच गया। स्कूल प्रबंधन ने छात्र को तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। घटना को लेकर स्कूल प्रबंधन और पुलिस की ओर से जानकारी जुटाई जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190